राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 171 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, रविवार , 02 जनवरी 2022 मूल्य: 1.50/-

हरियाणा : भिवानी में हुए भूस्खलन में चार लोगों की मौत

■ भिवानी

हरियाणा में भिवानी जिले के डाडम में खनन के दौरान पहाड़ का बड़ा हिस्सा ढहने से चार लोगों की मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं जिन्हें हिसार के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने यह जानकारी दी। हरियाणा के खनन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि पहाड़ दरका है या विस्फोट के कारण यह दुर्घटना हुई है इसकी जांच गाजियाबाद माइनिंग सेफ्टी डिपार्टमेंट (खनन सुरक्षा विभाग) करेगा और इसमें जिसकी भी लापरवाही सामने आएगी, उसके खिलाफ सख्त कार्वाई की जाएगी। प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि कुछ और भी लोगों के मलबे में दबे होने की आंशका है। मलबे में चार खनन मशीन समेत कई अन्य वाहन भी दब गए हैं। अधिकारी ने बताया कि तोशाम पुलिस थाने के अंतर्गत डाडम गांव में सुबह करीब आठ बजे खनन कार्य के दौरान पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा अचानक से ढह गया, जिसकी वजह से वहां खड़ी करीब आधा दर्जन पोपलैंड मशीनें व डंफर दब गए। उन्होंने बताया कि प्रशासन मलबे से लोगों को निकालने के लिए राहत और बचाव कार्य कर रहा है। हालांकि अभी स्पष्ट नहीं है कि मलबे में कितने लोग दबे हो सकते हैं। राज्य के गृहमंत्री अनिल विज ने ट्वीट कर हादसे में चार लोगों के मरने की पुष्टि की है। इससे पहले तहसीलदार रविंद्र कुमार ने बताया था, मलबे से तीन शव निकाले जा चुके हैं, मृतक छत्तीसगढ़ और राजस्थान के मजूदर हैं।

पुलिस प्रशासन ने पहाड़ दरकने वाले स्थान पर लोगों के जाने पर पाबंदी लगा दी है।

घटना की सूचना मिलने के बाद कृषि मंत्री जे. पी. दलाल भी घटनास्थल पर पहुंचे और मौके का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को राहत कार्य में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतने के आदेश दिए। हादसे पर दुख जताते हुए दलाल ने कहा कि सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी मलबे में दबा ना रहे, बचाव कार्य के लिए किसी भी प्रकार के उपकरणामशीनरी की आवश्यकता हो तो उसे तत्काल मंगवाया जाए। उन्होंने कहा, घायलों को हर संभव चिकित्सा मुहैया कराई जाए।

वैष्णो देवी : जीवित बचे लोगों ने कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया

एजेंसी ■ कटरा

जम्मू-कश्मीर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में मची भगदड़ में जीवित बचे कुछ लोगों ने बताया कि नव वर्ष के आगमन पर यहां अचानक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने से भगदड़ मची और उन्होंने इस त्रासदीपूर्ण घटना के लिए कुप्रबंधन को दोषी ठहराया। इस भगदड़ में 12 लोगों की मौत हो गई है। बहरहाल, श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने यह कहते हुए आरोपों का खंडन किया कि संभावित भीड़ के मद्देनजर सभी आवश्यक प्रबंध किए गए थे। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने कहा कि एक मामूली लड़ाई इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए जिम्मेदार है।

एक शव को पहचानने के लिए एक शवगृह के बाहर इंतजार कर रहे उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से आए एक तीर्थयात्री ने कहा, इस त्रासदीपूर्ण हादसे का कारण केवल कुप्रबंधन है। उन्हें भीड़ बढ़ सकने की जानकारी थी, लेकिन लोगों को बेरोक-टोक आने की अनुमति दी। व्यक्ति ने अपना नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि यदि संबंधित प्राधिकारियों ने तीर्थयात्रियों का बेहतर प्रबंधन किया होता, तो इस हालात से बचा जा सकता था।

उसने कहा, इसी प्रकार की स्थिति कुछ मिनट पहले भी हुई थी, लेकिन सौभाग्य से कोई हताहत नहीं हुआ और स्थिति नियंत्रित कर ली गई। हम 10 श्रद्धालु साथ आए थे। हम सभी पड़ोसी हैं। भारी भीड़ के कारण भगदड़ मची, क्योंकि लोग अंदर-बाहर आ-जा रहे थे और हर कोई जल्दी में था।

तीर्थयात्री ने कहा कि कई लोग वापस जाने के बजाय, जमीन पर आराम कर रहे थे और इसके कारण भवन में और भीड़ बढ़ गई। इस भगदड़ में अपने मित्र अरुण पी सिंह (30) को खो देने वाले एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि वे उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से आए थे और भवन में बहुत भीड़ थी। उन्होंने कहा, मैं करीब 10 साल पहले मंदिर आया था, लेकिन इस बार भारी भीड़ देखकर मुझे हैरानी हुई। इस त्रासदी के बाद हम असहाय थे और हमें तड़के छह बजे तक कोई मदद नहीं मिली।

माता के मंदिर में नववर्ष के दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़

वैष्णो देवी में भगदड़

12 श्रद्धालुओं की मौत, लोगों ने... कुप्रबंधन को दोषी ठहराया

एजेंसी ■ नई दिल्ली/ जम्मू

जम्मू कश्मीर में माता वैष्णो देवी तीर्थ क्षेत्र में नववर्ष के दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 12 से ज्यादा घायल हो गए। जम्मू से करीब 50 किलोमीटर की दूरी पर त्रिकूटा पहाड़ी पर स्थित इस धाम पर इस तरह की यह पहली घटना है जहां पर हर साल लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए जाते हैं।

भगदड़ बीती रात करीब ढाई बजे मंदिर के गर्भगृह के बाहर गेट नंबर तीन के पास हुई। यहां पर कटरा आधार शिविर से करीब 13 किलोमीटर की दूरी तय कर श्रद्धालु जमा होते हैं। जम्मू-कश्मीर के मनोज सिन्हा ने बताया कि भगदड़ की घटना की उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रधान सचिव (गृह) शालीन काबरा के नेतृत्व में जांच समिति का गठन किया गया है जिसमें एडीजीपी मुकेश सिंह और जम्मू के संभागीय आयुक्त राजीव लंगर हैं। इस घटना पर सभी क्षेत्रों से लोगों ने शोक जताया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थिति की जानकारी लेने के लिए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह से बात की। लोगों ने बताया कि नव वर्ष के आगमन पर यहां अचानक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने से भगदड़ मची और उन्होंने इस त्रासदीपूर्ण घटना के लिए कुप्रबंधन को दोषी ठहराया। बहरहाल, श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने यह कहते हुए आरोपों का खंडन किया कि संभावित भीड़ के मद्देनजर सभी आवश्यक प्रबंध किए गए थे।

पीएम मोदी ने गहरा शोक व्यक्त किया

पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर के कटरा स्थित वैष्णो देवी भवन में मची भगदड़ में लोगों की मौत होने पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में घायल हुए लोगों को राहत मुहैया कराने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने उपराज्यपाल से बात की है। अपने प्रियजन को खोने वाले शोकसंतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता हूं।

वैष्णो देवी तीर्थ क्षेत्र में मामूली विवाद के कारण भगदड़ हुई : दिलबाग सिंह

जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने शनिवार को कहा कि कुछ युवाओं के बीच मामूली कहासुनी के कारण वैष्णो देवी तीर्थ क्षेत्र में भगदड़ की स्थिति बनी जिसमें दुर्भाग्य से 12 लोगों की मौत हो गई।

नए साल पर युवाओं में वैष्णो देवी आने की परिपाटी से निपटने की जरूरत : जितेंद्र सिंह

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि नए साल के मौके पर वैष्णो देवी धाम आने की युवाओं की परिपाटी से निपटने के लिए नवोन्मेषी उपायों की जरूरत है। वह वैष्णो देवी धाम पर हुई भगदड़ और इसमें 12 श्रद्धालुओं की मौत के बाद हालात का जायजा लेने के लिए यहां आए थे। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री सिंह जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा की पहाडी पर स्थित गुफा धाम भी गए और काकरियाल स्थित श्री माता वैष्णो देवी नारायण सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल में इलाज करा रहे घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने बताया कि त्रिकुटा पहाड़ी स्थित धाम पर भारी भीड़ के चलते तड़के मची भगदड़ में दो महिलाओं सहित कम से कम 12 लोगों की मौत हुई है।

कांग्रेस नेताओं ने भगदड़ में हुई मौतों पर शोक जताया

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने जम्मू कश्मीर में माता वैष्णो देवी तीर्थ पर भगदड़ में लोगों की मौत पर शनिवार को शोक जताया।अधिकारियों ने बताया कि मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण तड़के भगदड़ में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए। घायलों में से चार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट किया, माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ दुखद है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की। कांग्रेस के प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी वैष्णो देवी तीर्थ पर भगदड़ में लोगों की मौत पर शोक जताया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार जांच करेगी।

खास ख़बर

तिरुपति, श्रीशैलम

पुजारियों ने प्रधानमंत्री मोदी को दिया आशीर्वाद

नई दिल्ली। प्रसिद्ध तिरुपति और श्रीशैलम मंदिरों के पुजारियों ने शनिवार को नव वर्ष के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर उन्हें आशीर्वाद दिया।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पुजारियों ने उन्हें आशीर्वाद दिया और मंदिरों से लाया गया प्रसाद भी प्रदान किया।दोनों मंदिर आंध्र प्रदेश में स्थित है और हिंदुओं के लिए प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में शामिल हैं।

वैष्णो देवी मंदिर भगदड़ पर तीन सदस्य समिति एक सप्ताह मे देगी रिपोर्ट

जम्मू। वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ की घटना की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय समिति को एक सप्ताह के भीतर जम्मू-कश्मीर सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया है। प्रधान सचिव (गृह) की अध्यक्षता में समिति का गठन उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने किया। भगदड़ में 12 लोगों की मौत हो गई और 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। प्रशासन की ओर से आज शाम जारी एक आदेश में, सामान्य प्रशासन विभाग के प्रधान सचिव मनोज कुमार द्विवेदी ने कहा कि इस दुखद घटना के कारणों का पता लगाने के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति के अन्य दो सदस्य जम्मू संभागीय आयुक्त राघव लंगर और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, जम्मू मुकेश सिंह हैं।

जरा हट के... बग्गा

इस भीड़ से सावधान...

दिल्ली के सरोजिनी मार्केट में तमाम कोशिशों के बावजूद भीड़ नियंत्रित नहीं हो रही है। इस महामारी की चेतावनी के बावजूद लोग बड़ी तादाद में पहुंच रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे दिल्ली के हालात बिगड़ सकते हैं।

अमित शाह ने किसानों को 20,900 करोड़ रुपए जारी करने को लेकर प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2022 के प्रथम दिन पीएम किसान योजना के तहत 10 करोड़ किसानों को 20,900 करोड़ रुपए हस्तांतरित करने को लेकर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया। शाह ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि मोदी सरकार पिछले सात वर्षों में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, किसान सशक्तिकरण के बिना देश का समग्र विकास असंभव है। आज साल के पहले ही दिन पीएम किसान योजना से करीब 10 करोड़ किसानों के खातों में लगभग 20,000 करोड़ रुपए की 10वीं किस्त हस्तांतरित कर नरेंद्र मोदी जी ने किसान कल्याण की अपनी प्राथमिकता को पुनः दर्शाया है, इसके लिए मोदीजी का अभिनंदन करता हूँ। पीएम किसान योजना ने खेती के सबसे महत्वपूर्ण समय पर किसानों को आर्थिक संबल देकर उन्हें कर्जमुक्त रखने का बहुत बड़ा काम किया है।

एस-400 की पहली रेजीमेंट की तैनाती अगले महीने पूरी होगी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना द्वारा एस-400 ट्राइम्फ मिसाइल रक्षा प्रणालियों की पंजाब में एक एयरबेस पर तैनाती फरवरी तक पूरी होने की संभावना है। सैन्य अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। मिसाइल प्रणाली की तैनाती की प्रक्रिया शुरू हो गई है और तैनाती पूरी होने में और छह हफ्ते का वक्त लगेगा। मिसाइल प्रणाली की पहली रेजीमेंट की तैनाती इस तरीके से की जा रही है कि इसके दायरे में उत्तरी सेक्टर में चीन से लगी सीमा और पाकिस्तान से लगा सीमांत भी आ जाए। एक अधिकारी ने बताया, मिसाइल प्रणाली के विभिन्न महत्वपूर्ण पुर्जों व इसके अन्य उपकरणों का परिवहन तैनाती स्थल तक जारी है।

भारत और पाकिस्तान ने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान ने 31 साल के दस्तूर को जारी रखते हुए, शनिवार को एक द्विपक्षीय समझौते के तहत अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया, जो दोनों पक्षों को एक-दूसरे के परमाणु केंद्रों पर हमला करने से रोकता है। दोनों देशों ने भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला न करने को लेकर हुए समझौते के तहत शामिल परमाणु प्रतिष्ठानों और केंद्रों की सूची का आदान-प्रदान किया।

महामारी से विकास बाधित नहीं होने देंगे : मोदी

■ नई दिल्ली

कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के प्रसार को लेकर चिंताओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत को नए साल में विकास की गति में तेजी लाने की जरूरत है और वह कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों को विकास प्रक्रिया को प्रभावित नहीं करने देगा। मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि देश पूरी सावधानी और सतर्कता के साथ कोविड-19 महामारी से लड़ना जारी रखेगा और अपने राष्ट्रीय हितों की भी रक्षा करेगा। प्रधानमंत्री-किसान योजना के तहत 10वीं किस्त जारी करने के मौके पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम में मोदी ने 2021 में स्वास्थ्य, रक्षा और कृषि, स्टार्ट-अप इकोसिस्टम और आधारभूत ढांचे सहित विभिन्न क्षेत्रों में देश द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। कोविड-19 रोधी टीके की 145 करोड़ से अधिक खुराक देने की भारत की उपलब्धि की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, 2021 को कोविड-19 महामारी के खिलाफ भारत की मजबूत लड़ाई के साथ-साथ वर्ष के दौरान किए गए सुधारों के लिए भी याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीते वर्ष में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों की गति तेज की और आधुनिक बुनियादी ढांचे का भी निर्माण किया। प्रधानमंत्री ने कहा, हमें विकास की गति को और तेज करना है। कोरोना वायरस ने कई चुनौतियां उत्पन्न की हैं, लेकिन यह विकास प्रक्रिया को बाधित नहीं कर सकता। देश में शनिवार को कोविड-19 के 22,775 नए मामले सामने आए, जोकि गत वर्ष छह अक्टूबर के बाद से सबसे ज्यादा हैं।

पीएम ने राष्ट्र के प्रयासों को याद किया

देश में शनिवार को कोविड-19 के 22,775 नए मामले सामने आए, जो कि गत वर्ष छह अक्टूबर के बाद से सबसे ज्यादा हैं, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या एक लाख के पार चली गई और ओमीक्रोन संक्रमण के मामले।,431 हैं। अब जब भारत नए साल में प्रवेश कर रहा है, देश को पिछले वर्षों की उपलब्धियों से प्रेरणा लेकर एक नई यात्रा शुरू करने की जरूरत है। कमजोर वर्गों के लिए व्यवस्था करने में राष्ट्र के प्रयासों को याद किया।

रिहाई — नागरिकता की पुष्टि होने पर भी रिहाई में देरी से भारत नाराज

भारत ने पाक से कैदियों की जल्द रिहाई सुनिश्चित करने को कहा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने शनिवार को पाकिस्तान से 356 भारतीय मछुआरों और दो आम नागरिक कैदियों की रिहाई एवं उन्हें वापस भेजना सुनिश्चित करने की मांग की जिनकी नागरिकता की पहले ही पुष्टि हो गई है एवं पाकिस्तान के प्रशासन को इसकी जानकारी दे दी गई है। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, पाकिस्तान से 182 भारतीय मछुआरों और 17 आम नागरिक कैदियों के लिए तत्काल राजनयिक पहुंच उपलब्ध कराने को भी कहा गया है जो अभी पाकिस्तान की हिरासत में है और जिनके बारे में समझा जाता है कि वे भारतीय हैं।

भारत ने दोनों देशों के बीच मछुआरों एवं आम नागरिक कैदियों की सूची के आदान प्रदान के परिप्रेक्ष में यह आग्रह किया। दोनों देशों के बीच वर्ष 2008 के समझौता ढांचा के तहत हर वर्ष। जनवरी और। जुलाई को ऐसा किया जाता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के 282 नागरिक कैदियों एवं 73 मछुआरों की सूची पड़ोसी देश को सौंपी जो भारत की हिरासत में हैं। इसी प्रकार से पाकिस्तान ने उसकी हिरासत में रहने वाले 51 आम नागरिक कैदियों एवं 577 मछुआरों की सूची भारत को सौंपी जिनके बारे में समझा जाता है कि वे भारतीय नागरिक हैं। बयान के अनुसार, भारत ने आम नागरिक कैदियों, लापता रक्षा कर्मियों एवं मछुआरों तथा उनकी नौकाओं की जल्द रिहाई एवं उनकी वापसी सुनिश्चित करने को भी पाकिस्तान से कहा है। इसमें कहा गया है कि सरकार ने पाकिस्तान से चिकित्सा दल के सदस्यों के लिए वीजा प्रदान करने में तेजी लाने को कहा है ताकि वे पाकिस्तान में उन कैदियों की मानसिक स्थिति एवं स्वास्थ्य की जांच कर सके जो उसकी जेल में बंद हैं और जिनके बारे में समझा जाता है कि वे भारतीय नागरिक हैं। मंत्रालय के बयान के अनुसार, इसमें संयुक्त न्यायिक समिति के लिए जल्द पाकिस्तान का दौरा आयोजित करने का भी प्रस्ताव किया गया है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत एक दूसरे देश में कैदियों एवं मछुआरों को सभी मानवीय विषयों एवं अन्य मामलों को प्राथमिकता देने को प्रतिबद्ध है। मंत्रालय ने कहा कि इस संदर्भ में भारत ने पाकिस्तान से अपील की है कि वह मछुआरों सहित 68 पाकिस्तानी कैदियों की नागरिकता की पुष्टि के लिए जरूरी कदम उठाए जिनको वापस भेजने का विषय पाकिस्तान की ओर से नागरिकता की पुष्टि को लेकर लंबित है। इसमें कहा गया है कि कोविड-19 के मद्देनजर पाकिस्तान से सभी भारतीयों एवं भारतीय समझे जाने वालों की सुरक्षा एवं कल्याण सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया गया है।

सार समाचार

कोविड रूल तोड़ने वालों की चीन में सरेआम बेइज्जती, गले में नाम-फोटो वाली तख्तियां लटका कर पूरे शहर में घुमाया

देश-दुनिया में इन दिनों एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। जिसमें चीन का जिंगशी शहर जहां सायरन बजाती पुलिस की गाड़ियां के पीछे एक लाल रंग के ट्रक में सफेद रंग की पीपीई किट पहने कई लोग बंद नजर आए। ऐसे में सवाल ये उठा कि आखिर ये लोग कौन हैं और इन्हें इस तरह ट्रक में बंद करके क्यों घुमाया जा रहा है। इसके साथ ही इस वीडियो में चार पीपीई किट पहने लोगों को पकड़कर ले जाते हुए दिखाया गया। वहीं चारो तरफ पुलिस और आम लोग खड़े हैं। वीडियो में आगे इन चारों लोगों को एक चौराहे पर लाकर खड़ा किया जाता है। वीडियो में जिन लोगों की परेड कराई जा रही है उनके गले में फोटो टंगी है ताकि लोग इनका चेहरा देख सके। कोरोना काल में जब चीन में लॉकडाउन की वापसी हो चुकी है। जब चीन के बाजारों में लॉकडाउन से पहले की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। सामान खरीदने के लिए धक्का-मुक्की हो रही है। लेकिन इस दौरान चार पीपीई किट पहने लोगों की चर्चा आखिर क्यों हो रही है। दरअसल, इन चार पीपीई किट पहने लोगों की तस्वीरें वायरल हो रही हैं उन पर आरोप है कि उन्होंने अवैध प्रवासियों को लाने-ले जाने का काम किया था। वह भी तब जबकि महामारी की वजह से सीमाएं पूरी तरह से लॉक हैं। इस परेड के माध्यम से जनता को वॉर्निंग देने की कोशिश की गई है। ताकी सीमा से जुड़े किसी तरह के क्राइम को रोका जा सके। ग्लोबल टाइम्स अखबार ने कहा कि अदालतों और सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय ने 1980 के दशक से आपराधिक संदिग्धों की परेड पर प्रतिबंध लगाने के लिए कई आदेश जारी किए थे। सबसे हालिया नोटिस पिछले साल फरवरी में मंत्रालय द्वारा जारी किया गया था जब हेबेई प्रांत में एक व्यक्ति को लॉकडाउन के दौरान सिगरेट खरीदने के लिए पेड़ से बांध दिया गया था। इस विषय पर सोशल मीडिया पोस्ट को बुधवार रात तक 350 मिलियन से अधिक बार देखा गया और 30,000 से अधिक टिप्पणियां मिलीं।

पाकिस्तान के क्वेटा में धमाकेदार बम विस्फोट, चार लोगों की मौत, 15 घायल

क्वेटा। पाकिस्तान के क्वेटा प्रांत में बृहस्पतिवार की रात एक बम विस्फोट में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बम धमाका जिन्ना रोड पर साइंस कॉलेज के पास खड़ी एक कार के पास हुआ। जिन्ना रोड क्वेटा के प्रमुख मार्गों में से एक है और खरीदारी के लिए काफी लोकप्रिय एवं सबसे व्यस्त स्थान है। अधिकारी इस घटना की जांच कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक घायलों को क्वेटा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने कहा कि विस्फोट से आस-पास की इमारतों के शीशे टूट गए। पाकिस्तान के इस इलाके में इस्लामिक स्टेट काफी सक्रिय है।

कोरोना रिपोर्ट पाजिटिव आने पर फ्लाइट से सफर कर रही महिला ने खुद को बाथरूम में बंद किया

न्यूयार्क। कोविड संक्रमण कई देशों में सिर उठा रहा है। कुछ देशों में तो इसके रोजाना हजारों मामले सामने आ रहे हैं। वहीं, अमेरिका में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसके बारे में जानकर सब हैरान रह गए। फ्लाइट से सफर कर रही अमेरिका की एक महिला ने खुद को घंटों तक बाथरूम में बंद कर लिया। दरअसल, फ्लाइट से सफर के दौरान महिला की कोविड रिपोर्ट पाजिटिव आई थी जिसके बाद महिला ने पांच घंटों तक खुद को बाथरूम में आइसोलेट कर लिया। रिपोर्ट के अनुसार यह महिला शिकागो से आइसलैंड जा रही थी। महिला का नाम मारिसा फोटिओ है और वे पेशे से टीचर है। मारिसा ने बताया कि 19 दिसंबर को यात्रा के दौरान उन्हें गले में दर्द उठा था जिसके बाद उन्होंने अपना कोविड टेस्ट कराया। कोविड की रिपोर्ट पाजिटिव थी। मारिसा अपनी रिपोर्ट देखकर घबरा गई और खुद को बाथरूम में बंद कर लिया। यात्रा करने से पहले मारिसा ने दो आरटीपीसीआर टेस्ट और पांच रैपिड टेस्ट कराए थे, सबकी रिपोर्ट निगेटिव थी। हालांकि, यात्रा शुरू होने के कुछ समय बाद उन्हें गले में तकलीफ हुई। मारिसा ने फ्लाइट के स्टाफ को इसकी जानकारी दी। उड़ती फ्लाइट में ही मारिसा का कोविड टेस्ट कराया गया, लेकिन उनकी रिपोर्ट पाजिटिव आ गई। मारिसा ने बाकि लोगों की जिंदगी को खतरे में ना डालने की सोची और बाथरूम में खुद को बंद कर आइसोलेट किया। मारिसा फोटियो बूस्टर डोज भी ले चुकी हैं। वह लगातार कोरोना जांच करवाती रहती हैं क्योंकि वह अशिक्षित आबादी के साथ काम करती हैं। अटलांटिक महासागर के ऊपर हवाई जहाज के बाथरूम में बैठी मारिसा अपनी रिपोर्ट देखकर घबरा गई थी। मारिसा ने बताया कि फ्लाइट की सभी सीटें भरी होने के कारण उनके अलग बैठने की व्यवस्था नहीं हो पा रही थी। इसलिए उन्होंने बाथरूम में रहने का विकल्प चुना, क्योंकि उड़ान के दौरान दूसरों के आसपास नहीं रहना चाहती थी। बाथरूम के दरवाजे के बाहर एक नोटिस बोर्ड भी लगा दिया गया। फ्लाइट की लैंडिंग के बाद मारिसा सबसे अंत में बाहर निकली।

द अफ्रीका में गुजरा ओमिक्रोन का पीक, नाइट कर्फ्यू हटा

-अफ्रीका में ही ओमिक्रोन वैरिएंट की जानकारी सामने आई थी

जोहान्सबर्ग। एक तरफ जहां दुनिया ओमिक्रोन की दहशत के साए में है तो वहीं दूसरी तरफ एक राहत भरी खबर भी सामने आई है। दक्षिण अफ्रीका से ओमिक्रोन का चरम या पीक अब निकल चुका है। अफ्रीका में ही पहली बार ओमिक्रोन वैरिएंट की जानकारी सामने आई थी। यहां से ही ये दूसरे देशों में फैला था। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक अब तक 90 से अधिक देशों में इसके मामले सामने आ चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से कहा गया है कि मामलों में आई गिरावट के बाद अब देश में रात्रि कर्फ्यू को भी हटा दिया गया है। बीबीसी के मुताबिक हाल के दिनों में कोरोना और ओमिक्रोन की वजह से अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में पहले के मुकाबले काफी कमी आई है। 25 दिसंबर को खत्म हुए सप्ताह के दौरान इस बात को देखा गया है कि जहां इससे पहले के सप्ताह में देश में 127753 मामले सामने आए थे वहीं इस बार ये 89781 थे। एक बयान में कहा गया है कि मरीजों की संख्या में आई कमी के बाद दूसरी बीमारियों से ग्रसित मरीजों के रूटिन चैकअप की सुविधा को भी दोबारा बहाल कर दिया गया है। बता दें कि दक्षिण अफ्रीका में कोरोना महामारी के दौरान करीब 35 लाख मामले दर्ज किए गए जिसमें से करीब 90 हजार मरीजों की मौत भी हो गई थी। जानकारों का कहना है कि जल्द ही ओमिक्रोन वैरिएंट कोरोना के डेल्टा वैरिएंट की जगह ले लेगा और इसके मामलों में भी जबरदस्त तेजी आएगी। भारत में भी ओमिक्रोन के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। यहां पर अब तक 1200 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें सबसे अधिक महाराष्ट्र और दिल्ली में हैं। आपको बता दें कि पूरी दुनिया में कोरोना महामारी के अलावा ओमिक्रोन की दहशत भी साफतौर पर देखी जा सकती है। ब्रिटेन, फ्रांस, अमेरिका में लगातार कोरोना के मामलों में बेतहाशा तेजी देखने को मिली है। दुनिया के कई देशों ने अपने यहां पर पाबंदियों को दोबारा बढ़ा दिया है। गौरतलब है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही इसको वैरिएंट आफ कंसर्न की सूची में डाल चुका है। संगठन का कहना है कि इसके संक्रमण की दर अब तक सामने आए दूसरे वैरिएंट से सबसे अधिक है।

ईरान में एक अज्ञात स्थल से फोनिक्स रॉकेट छोड़ा गया।

तलाक हुआ तो पति को सुनाई ज़िंदगी भर कैद रहने की सजा

-शख्स का कुसूर है कि उसने इजरायली पत्नी ने खिलाफ केस फाइल किया

येरुसलेम। येरुसलेम में एक कपल का तलाक हुआ तो कोर्ट ने पति को ज़िंदगी भर कैद रहने की सजा दे दी। हर देश में तलाक के कानून अलग-अलग होते हैं। इन्हें लेकर 5-10-20 साल की सजा तो ठीक है, लेकिन अगर किसी को तलाक के बदले उसकी उम्र से ज्यादा की सजा सुना दी जाए, तो केस अजीब हो जाता है। एक ऑस्ट्रेलियन शख्स को इजरायल की कोर्ट ने 8000 साल तक इजरायल में रहने का आदेश दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया के रहने वाले नॉम हुपर्ट नाम के शख्स को इजरायल ने देश के अंदर ही रहने की सजा सुनाई है। इस शख्स का कुसूर ये है कि उसकी इजरायली पत्नी ने उसके खिलाफ तलाक का केस फाइल किया है। इजरायल की कोर्ट की दी हुई सजा के मुताबिक अब नॉम हुपर्ट 31 दिसंबर 9999 तक अपना देश छोड़कर कहीं और नहीं जा सकता। अगर वो ऐसा करना चाहता है तो उसे 3 मिलियन डॉलर देने होंगे। इतना ही नहीं हर महीने उसे बच्चों की परवरिश के लिए भी 5000 इजरायली शेकेल्स देने होंगे इस शख्स की शादी इजरायली महिला से हुई और वो साल 2012 से यहां एनालिटिकल कैमिस्ट के तौर पर एक फार्मा कंपनी में नौकरी करता है। इसी बीच उसकी पत्नी ने कोर्ट में उसके खिलाफ तलाक का केस कर दिया। अब इस सजा के तहत ये शख्स छुट्टियां मनाने और किसी अन्य काम से भी बाहर नहीं जा सकता।

तिब्बती कार्यक्रम में भारतीय सांसदों के शामिल होने से चीन हुआ परेशान, चिट्ठी लिखकर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय सांसदों के शामिल होने पर चीन ने आपत्ति जताई है। चीन ने सांसदों को चिट्ठी लिखकर उनसे तिब्बती स्वतंत्रता के लिए समर्थन करने से ₹बचने₹ के लिए कहा है। दरअसल, भारत के छह सांसदों द्वारा तिब्बत की निर्वासित सरकार के एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद चीन की तरफ से आपत्ति जताई गई है। भारत में चीनी दूतावास के राजनीतिक परामर्शदाता झोउ योंगशेंग ने कहा कि जैसा कि सभी जानते हैं, तथाकथित 'निर्वासन में तिब्बती सरकार' एक बाहरी अलगाववादी राजनीतिक समूह है और पूरी तरह से चीन के संविधान और कानूनों का उल्लंघन करने वाला एक अवैध संगठन है। यह दुनिया के किसी भी देश द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है।

बता दें कि तिब्बत की निर्वासित सरकार ने 22 दिसंबर को दिल्ली के एक होटल में कार्यक्रम आयोजित किया था। इस बैठक में कांग्रेस सांसद जयराम रमेश और मनीष तिवारी, बीजद के सुजीत कुमार, भाजपा की मेनका गांधी और केसी राममूर्ति और कौशल विकास, इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने हिस्सा लिया था। इस कार्यक्रम में शामिल हुए भारतीय सांसदों की राय ये थी कि तिब्बत पर चीन का कब्जा गैर कानूनी है और तिब्बत को अंतरराष्ट्रीय जगत से जो मदद मिलनी चाहिए थी, वो नहीं मिली।

तिब्बत पर फोरम 1971 की है और इसमें अटल बिहारी वाजपेयी, जॉर्ज फर्नांडीस और मोहम्मदली करीम छागला जैसे हस्तियों की एक विशिष्ट सूची है। नाम न बताने के इच्छुक एक सांसद ने कहा कि प्रतिभागियों ने अपने राजनीतिक दलों को बोर्ड में ले लिया था और वे एकतरफा बैठक में शामिल नहीं हुए और उन्होंने कहा कि चीनी दूतावास अक्सर राजनेताओं को पत्र भेजकर उन मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करता है जो बीजिंग के लिए महत्वपूर्ण थे। बीजद के कुमार ने कहा कि मंच एक सांस्कृतिक संगठन है जो तिब्बती विरासत और तिब्बती शरणार्थियों से संबंधित मुद्दों को बढ़ावा देता है।

बाइडेन के फोन पर नहीं दबे पुतिन, दी खुलेआम धमकी

वॉशिंगटन (एजेंसी)

यूक्रेन को लेकर अमेरिका और रूस में बढ़ते तनाव के बीच दोनों देशों के प्रमुखों ने फोन पर बात की। करीब एक घंटे चली बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने समकक्ष व?लादिमीर पुतिन से कहा कि वह वार्ता जारी रखने के पक्ष में हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि यूक्रेन के खिलाफ कोई भी गलत कदम रूस की मुश्किलें बढ़ा सकता है। दोनों नेताओं के बीच इस महीने ये दूसरी टेलीफोनिक बातचीत थी। यूक्रेन की सीमा पर रूसी सैनिकों के जमावड़े से अमेरिका नाराज है और इस वजह से दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। क्रेमलिन के सहयोगी यूरी उशाकोव ने बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने अमेरिकी समकक्ष को चेतावनी दी है कि यूक्रेन के बहाने रूस पर नए प्रतिबंध लगाए गए तो दोनों देशों के रिश्ते बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं। उशाकोव ने यह भी बताया कि जो बाइडेन ने भी पुतिन को धमकी देते हुए कहा है कि यदि रूस यूक्रेन विवाद को और हवा देता है तो उसे नए वित्तीय, सैन्य और आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना होगा। यूरी उशाकोव ने आगे कहा, ह्यहमारे राष्ट्रपति ने अमेरिका को स्पष्ट कर दिया है कि रूस पर प्रतिबंध लगाना बड़ी भूल होगी और इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

अमेरिका में बच्चों पर कहर बरपा रहा ओमीक्रोन, डर के साए में माता-पिता ! विशेषज्ञों ने जताई चिंता

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)

कोरोना वायरस के नए वेरिएंट 'ओमीक्रोन' से दुनिया का लगभग हर देश प्रभावित है और इसने बच्चों को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। अमेरिका में कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अमेरिका में बच्चों को लगातार अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। जिसको देखकर चाइल्ड हेल्थ विशेषज्ञ काफी चिंतित हैं। डॉक्टरों ने कहा कि इस महीने अस्पताल में भर्ती बच्चों में वे जितने गंभीर कोरोना के लक्षण देख रहे हैं, उनमें सांस लेने में समस्या और तेज बुखार शामिल है। अंग्रेजी समाचार वेबसाइट 'अलजजीरा' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के लैंगोन हेल्थ हॉस्पिटल सिस्टम में चाइल्ड स्पेशलिस्ट रेबेका मदान ने बताया कि बच्चों को सांस लेने में मदद की आवश्यकता है, उन्हें अतिरिक्त हाइड्रेशन की जरूरत है। वे अस्पताल में समाप्त होने के लिए पर्याप्त बीमार हैं और यह डॉक्टरों के लिए डरावना है, यह माता-पिता के लिए भी डरावना है।

आपको बता दें कि कोरोना के नए वेरिएंट के सबसे ज्यादा मामले अमेरिका में दर्ज किए जा रहे हैं, जहां पर रोजाना तकरीबन 2.5 लाख से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस हफ्ते पिछले हफ्ते की तुलना में 66 फीसदी तेजी से मामले बढ़े हैं। जो डराने वाला है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस अदानोम गेब्रिएसस के अनुसार दुनियाभर में विशेष रूप से यूरोप में तस्वीर कहीं और गंभीर है। उन्होंने कहा कि डेल्टा स्वरूप के साथ अब ओमीक्रोन के कारण वह मामलों की सुनामी को लेकर चिंतित हैं। अमेरिका में कोरोना से मौत के मामले पिछले दो हफ्तों में औसतन 1,200 प्रतिदिन से बढ़कर लगभग 1,500 हो गए हैं।

अफगानिस्तान छोड़ने पर बोले अशरफ गनी, कोई ऑप्शन नहीं था, स्टैंड लेता तो सभी लोग भी मारे जाते

अबू धाबी (एजेंसी)

अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी ने 15 अगस्त को हुई घटनाओं के बारे में अपनी चुप्पी तोड़ी है और काबुल को संकट में छोड़ भागने के आरोपों का भी जवाब दिया है। संयुक्त अरब अमीरात में मौजूद गनी ने कहा कि वह अपनी जान बचाने और अफगानिस्तान की राजधानी को तबाह होने से बचाने के लिए काबुल छोड़ने का फैसला लिया था। बीबीसी रेडियो से बात करते हुए गनी ने उन आरोपों का भी खंडन किया कि वह अपने देश से लाखों डॉलर लेकर भाग गए हैं। गनी ने क्या कहा कि जिस दिन तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया और उनकी अपनी सरकार गिर गई। इसका उन्हें कतई आभास नहीं था कि 15 अगस्त को उनका अफगानिस्तान में उसका आखिरी दिन होगा।

अशरफ गनी ने कहा कि उस दोपहर तक राष्ट्रपति महल में सुरक्षा ढह चुकी थी। अगर मैं कोई स्टैंड लेता तो वे सभी मारे जाते, और वे मेरा बचाव करने में सक्षम नहीं थे। गनी ने ब्रिटेन के पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल निक कार्टर द्वारा आयोजित साक्षात्कार में कहा कि उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हमदुल्ला मोहिब बहुत भयभीत थे। गनी ने कहा कि उन्होंने मुझे दो मिनट से ज्यादा नहीं दिया। उन्होंने कहा कि उनके निर्देश मूल रूप से दक्षिणपूर्वी खोस्त शहर के लिए हेलीकॉप्टर से उड़ान भरने के थे।

तालिबान के काबुल पर कब्जे के बीच अपने देश के लोगों को मुश्किल घड़ी में छोड़कर भागने के आरोप गनी पर लगाए गए थे। इसके साथ ही अपने साथ लाखों डॉलर कैश ले जाने की भी खूब आलोचना हुई थी। हालांकि गनी ने इन आरोपों से स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया। उन्होंने फिर से कहा कि उनकी पहली चिंता राजधानी में सड़क पर होने वाली लड़ाई को रोकने के लिए थी, जो पहले से ही देश में कहीं और हिंसा से भाग रहे हजारों शरणार्थियों से भरी हुई है।

चीन का खतरनाक प्लान देख दुनिया हैरान, अपनी किलर रोबोट सेना को भारतीय सीमा के पास किया तैनात

नई दिल्ली(एजेंसी)

एक समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के मामले में अमेरिका की बढ़त किसी दूसरे देश की पहुंच से बाहर मानी जाती थी। चीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर तेजी से काम कर रहा है। चीन ने इसके सहारे वो करने की तैयारी में है जिसके लिए अमेरिका और रूस ट्रायल मोड में ही हैं। अक्साई चिन की जमा देने वाली ठंड, बफीर्ले माहौल और कम ऑक्सीजन का मुकाबला करने के लिए चीन को अब मशीन और तकनीक का सहारा लेना पड़ रहा है। नई मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि चीन स्थिति को बढ़ाने के लिए मशीन गन से चलने वाले रोबोटों को सीमा पर भेज रहा है। भारतीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, हथियारों और आपूर्ति दोनों को ले जाने में सक्षम दर्जनों स्वायत्त वाहनों को तिब्बत भेजा जा रहा है। इनमें से ज्यादातर को भारत से लगती एलएसी पर तैनात किया गया है। इसी इलाके में भारत और चीन के 50-50 हजार सैनिक आमने-सामने तैनात हैं।

शार्प क्लॉ, जिसे वायरलेस तरीके से संभाला जा सकता है और जो हल्की मशीनगन से लैस है। इसके अलावा मुले-200 को तैनात किया गया है जो मानवरहित सप?लाइ वाहन है लेकिन इसमें भी हथियार को लगाया जा सकता है। लगभग 120-200 मुले को भी तिब्बत भेजा गया है, जिनमें से अधिकांश को सीमा के पास तैनात किया जाएगा। चीन ने मानव रहित वाहनों के पूरक के लिए 70 वीपी-22 बख्तरबंद सैन्य वाहन भी तिब्बत भेजा है। इनमें से 77 सीमावर्ती क्षेत्रों में हैं। कुल 150 लिंक्स ऑल-टेरेन वाहनों को सीमा पर भेजा गया है। जो खतरनाक और खराब रास्तों पर भी चल सकते हैं। इसमें तोपें, हैवी मशीन गन, मोर्टार और मिसाइल लॉन्चर को भी लगाया जा सकता है।

फाइटर जेट उड़ाने वाले रोबट की टेस्टिंग

बीते दिनों चीन की जे-16 फ्लैंकर लड़ाकू विमान को लेकर लगातार चर्चा हो रही थी। जिसके बाद ये जानकारी सामने आई थी। चीन द्वारा फाइटर जेट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की टेस्टिंग किया गया था। इस बात के कयास पिछले कुछ दिनों से लगातार लगाए जा रहे थे। लेकिन बाद में इसकी पुष्टि होती नजर आई। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि चीन जे-16 लड़ाकू विमान को किसी मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) की तरह इस्तेमाल करने में सक्षम है। जिसमें पायलट की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे युद्ध के दौरान पायलटों की जान का खतरा कम हो जाएगा। इसके अलावा इससे हवाई क्षमता में भी भारी बढ़ोतरी होगी।

महंगाई को नियंत्रित करने के लिए भाजपा को हराएं: कांग्रेस

■ नई दिल्ली

कांग्रेस ने जूते-चप्पल से लेकर खाद्यान्न सामग्री तक विभिन्न श्रेणियों में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) बढ़ाने के लिए केन्द्र की नरेंद्र मोदी सरकार की शनिवार को आलोचना की और मंहगाई को नियंत्रित करने के लिए आने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराने की जनता से अपील की।
कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र ने हिमाचल प्रदेश और कुछ अन्य राज्यों में उपचुनाव में भाजपा की हार के बाद पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क घटा दिया था। उन्होंने जनता से विवेकपूर्ण ढंग से मतदान करके कर को कम करने वाला शासन लाने की अपील की। सुरजेवाला ने टेक्सटाइल पर जीएसटी को पांच प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत करने के जीएसटी परिषद के फैसले के टलने का श्रेय कांग्रेस को दिया और दावा किया कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने के बाद कर बढ़ा दिए जाएंगे।
उन्होंने कहा, किसी को भी यह भूलना नहीं चाहिए कि टेक्सटाइल पर जीएसटी बढ़ाने के प्रस्ताव को वापस नहीं लिया गया है,केवल टाला गया है।
इस निर्णय पर कुछ महीने के लिए रोक लग सकती है,जब तक चुनाव नहीं हो जाए। एक बार चुनाव हो जाएं,फिर कर बढ़ाएं जाएंगे। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि कर बढ़ने के कारण एक जनवरी से जूते चप्पल,टैक्सी,ऑटो रिक्शा से यात्रा, यात्रा संबंधी ऐप का इस्तेमाल,खाना मंगवाने वाले ऐप के जरिए खाना मंगवाना,बच्चे का रंग करने (ड्रॉइंग) का सामान और एटीएम मशीन से पैसे निकालना मंहगा हो गया है।
सुरजेवाला ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से चाय, दालें, खाद्य तेल, रसोई गैस और यहां तक कि नमक की कीमतें बढ़ी हैं।
कांग्रेस प्रवक्ता ने जनता से आगामी चुनावों में भाजपा को हराने की अपील करते हुए कहा, याद रखें, अगर मोदी हैं तो महंगाई बनी रहेगी, मोदी सरकार का मतलब है उंची कीमतें।
मोदी और महंगाई देश के लिए हानिकारक हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बजट पेश होने से पहले ही कर बढ़ा रही है और बाद में यह दावा कर सकती है कि इसने कर मुक्त बजट पेश किया है।

दिल्ली के 5,789 संगठनों का एफसीआरए पंजीकरण समाप्त

एजेंस ■ नई दिल्ली

दिल्ली के कई शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक एवं सांस्कृतिक केंद्रों के अलावा देश के शीर्ष मेडिकल एसोसिएशन सहित 5,789 संगठनों का विदेशी चंदा (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) पंजीकरण शनिवार को समाप्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि इन संस्थानों ने अपने एफसीआरए लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए आवेदन नहीं किया था। इसे अलावा, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उनके नवीनीकरण के आवेदनों को भी खारिज कर दिया। विदेशी चंदा (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) से संबंधित आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, जिन संगठनों और संस्थानों का एफसीआरए के तहत पंजीकरण समाप्त हो गया है या वैधता समाप्त हो गई है, उनमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-दिल्ली (आईआईटी-दिल्ली), जामिया मिल्लिया इस्लामिया, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, इंडिया हैबीटेट सेंटर, लेडी श्री राम कॉलेज फॉर वुमन और दिल्ली इंजीनियरिंग कॉलेज शामिल हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, लाल बहादुर शास्त्री मेमोरियल फाउंडेशन, लेडी श्री राम कॉलेज फॉर वुमन, दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और ऑक्सफैम इंडिया भी केंद्रीय गृह मंत्रालय की लंबी सूची में शामिल है।
एफसीआरए के तहत पंजीकृत गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) और इसके सहयोगियों की गतिविधियों का नियमन करने वाले केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि अधिनियम के तहत पंजीकरण शनिवार (1 जनवरी) को समाप्त माना गया है। विदेशी चंदा प्राप्त करने के लिए किसी भी संगठन और एनजीओ के लिए एफसीआरए पंजीकरण अनिवार्य है। शुक्रवार तक 22,762 एफसीआरए-पंजीकृत एनजीओ थे। शनिवार को, यह घटकर 16,829 हो गए क्योंकि 5,933 एनजीओ ने कामकाज बंद कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि 18,778 संगठनों के एफसीआर लाइसेंस 29 सितंबर 2020 से 31 दिसंबर 2021 के बीच समाप्त हो रहे थे। उनमें से करीब 12,989 संगठनों ने एफसीआरए लाइसेंस नवीनीकरण के लिए 30 सितंबर 2020 से 31 दिसंबर 2021 के बीच आवेदन दिया था। एक अधिकारी ने बताया कि चूंकि 5,789 संगठनों ने एफसीआरए लाइसेंस के लिए आवेदन नहीं दिया, उनका पंजीकरण समाप्त समझा जाएगा। उनके अलावा, 179 संगठनों के नवीनीकरण का आवेदन गृह मंत्रालय द्वारा विभिन्न कारणों को लेकर रद्द कर दिया गया। जिन संगठनों का एफसीआरए पंजीकरण समाप्त हो गया है, उनमें मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई), इमैनुएल हॉस्पिटल एसोसिएशन, जो पूरे भारत में एक दर्जन से अधिक अस्पताल चलाता है, ट्यूबरकोलोसिस एसोसिएशन ऑफ इंडिया, विश्व धर्मायतन, महर्षि आयुर्वेद प्रतिष्ठान, नेशनल फेडरेशन ऑफ फिशरमेन कोऑपरेटिव्स लिमिटेड शामिल हैं। हमदर्द एजुकेशन सोसाइटी, दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल वर्क सोसाइटी, भारतीय संस्कृति परिषद, डीएवी कॉलेज ट्रस्ट एंड मैनेजमेंट सोसाइटी, इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर, गोदरेज मेमोरियल ट्रस्ट, दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसाइटी, जेएनयू में न्यूक्लियर साइंस सेंटर, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लेडी श्री राम कॉलेज फॉर वुमन, दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच भी इन संस्थानों या संगठनों में शामिल हैं।

देश में अब तक कोविड रोधी टीकों की 145 करोड़ से ज्यादा खुराक दी गई

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि शनिवार को कोविड-19 रोधी टीकों की 22 लाख से अधिक खुराक देने के साथ ही देश में अब तक दी गई कोविड-19 रोधी टीकों की खुराकों की संख्या 145.40 करोड़ से अधिक हो गई। मंत्रालय ने बताया कि देर रात तक अंतिम रिपोर्ट आने पर यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है। उसके आंकड़े के अनुसार टीकाकरण के तीसरे चरण की शुरुआत के बाद से अबतक 18-44 साल के उम्रवर्ग में लोगों को कोविड-19 रोधी टीकों की 50,04,54,035 पहली खुराक और 33,50,59,168 दूसरी खुराक दी गई। मंत्रालय ने बताया कि अबतक टीकों की 84,54,89,349 पहली और 60,85,62,479 दूसरी खुराक लगाई गई है। उसने कहा, आज भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज 145.40 करोड़ के पार चला गया। आज शाम सात बजे तक टीकों की 22 लाख से अधिक यानी 22,56,362 खुराक दी गईं। उसने कहा कि देश में सबसे अधिक जोखिम वाले समूहों को कोविड से बचाव के उपाय के तौर पर टीकाकरण अभियान की शीर्षतम स्तर पर लगातार नियमित रूप से समीक्षा एवं निगरानी की जाती है। टीकाकरण अभियान 16 जनवरी को शुरू किया गया था, जिसमें पहले चरण में स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाया गया था।

महिलाओं के खिलाफ अपराध की करीब 31 हजार शिकायतें मिलीं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) को पिछले साल महिलाओं के खिलाफ अपराध की करीब 31,000 शिकायतें मिलीं थी जो 2014 के बाद सबसे अधिक हैं। इनमें से आधे से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश के थे। महिलाओं के खिलाफ अपराध की शिकायतों में 2020 की तुलना में 2021 में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई, उस वक्त 23,722 शिकायतें प्राप्त हुईं थीं। एनसीडब्ल्यू के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 30,864 शिकायतों में से, अधिकतम 11,013 सम्मान के साथ जीने के अधिकार से संबंधित थीं। इसके बाद घरेलू हिंसा से संबंधित 6,633 और दहेज उत्पीड़न से संबंधित 4,589 शिकायतें थीं। सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की सबसे अधिक 15,828 शिकायतें दर्ज की गईं, इसके बाद दिल्ली में 3,336, महाराष्ट्र में ।,504, हरियाणा में।,460 और बिहार में।,456 शिकायतें दर्ज की गईं। आंकड़ों के मुताबिक, सम्मान के साथ जीने के अधिकार और घरेलू हिंसा से जुड़ी सबसे ज्यादा शिकायतें उत्तर प्रदेश से प्राप्त हुईं।
एनसीडब्ल्यू को 2014 के बाद से प्राप्त शिकायतों की संख्या पिछले साल सबसे अधिक रही। 2014 में कुल 33,906 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा ने इससे पहले कहा था कि शिकायतों में वृद्धि इसलिए हो रही है क्योंकि आयोग लोगों को अपने काम के बारे में ज्यादा जागरूक बना रहा है।
शर्मा ने कहा, इसके अलावा, आयोग ने हमेशा महिलाओं की मदद के लिए नई पहल शुरू करने का काम किया है। इसके अनुरूप, हमने जरूरतमंद महिलाओं को सहायता सेवाएं प्रदान करने के और उनकी शिकायतें दर्ज करने के लिए चौबीसों घंटे का एक हेल्पलाइन नंबर शुरू किया है। जुलाई से सितंबर 2021 तक, हर महीने 3,100 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं, आखिरी बार 3,000 से अधिक शिकायतें नवंबर, 2018 में प्राप्त हुईं, जब भारत का मी टू आंदोलन अपने चरम पर था। एनसीडब्ल्यू के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं के शील भंग या छेड़छाड़ के अपराध के संबंध में।,819 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, बलात्कार और बलात्कार के प्रयास की ।,675 शिकायतें, महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता की।,537 और साइबर अपराधों की 858 शिकायतें प्राप्त हुई हैं।
साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी प्रदान करने की दिशा में काम करने वाली एक गैर-लाभकारी संस्था, आकांक्षा श्रीवास्तव फाउंडेशन की संस्थापक, आकांक्षा श्रीवास्तव ने कहा कि जब शिकायतें बढ़ती हैं तो यह अच्छी बात है क्योंकि इसका मतलब है कि अधिक महिलाओं में बोलने का साहस है और अब इसके लिए मंच उपलब्ध है ।

राजन बाबू अस्पताल की इमारत का आकलन करने की जिम्मेदारी आईआईटी रुड़की को दी गई : एनडीएमसी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली स्थित राजन बाबू टीबी अस्पताल की इमारत की ढांचागत सुरक्षा की जांच करने की जिम्मेदारी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रूड़की के विशेषज्ञों को दी गई है। यह जानकारी भाजपा नीत उत्तर दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी) की स्थाई समिति के अध्यक्ष जोगीराम जैन ने शनिवार को दी। उन्होंने इसके साथ ही आम आदमी पार्टी पर आगामी निकाय चुनाव के मद्देनजर मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया। जैन ने कहा कि बहुमंजिला इमारत का केवल सामने का हिस्सा और दो वार्ड ही क्षतिग्रस्त है न कि पूरी इमारत जैसा कि आप ने आरोप लगाया है। इस बीच, दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सत्एंद्र जैन ने राजन बाबू टीबी अस्पताल की इमारत के किसी भी समय ढह सकने की बात सामने के बाद जांच के आदेश दिए हैं ताकि इमारत को खाली कराकर सील किया जा सके। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता और विधायक आतिशी ने उत्तरी दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा संचालित अस्पताल का औचक निरीक्षण किया था और उनकी पार्टी ने इसे सोशल मीडिया पर सीधे प्रसारित किया था, जिसमें दिखाया गया कि मरीजों का जर्जर परिसर में इलाज चल रहा है जबकि नगर निकाय ने इस इमारत को खतरनाक घोषित किया है। दौरे के समय आतिशी के साथ मौजूद उत्तरी दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी) के नेता प्रतिपक्ष विकास गोयल ने मुखर्जी नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। एनडीएमसी समिति के अध्यक्ष से जब ढांचे के सामने खतरे के बोर्ड लगाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया, हां, बोर्ड लगाया गया था लेकिन आम बोलचाल की भाषा का इस्तेमाल किया गया था कि कहां पर इमारत आंशिक रूप से और कहां पर पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि आतिशी ने संदर्भ से परे जाकर दावा किया है। उन्होंने कहा, अपने लाइव स्ट्रीम वीडियो में विधायक ने उस वार्ड की ओर इशारा किया है जहां पर मरीज थे। कहां पर वे वार्ड हैं जहां जर्जर स्थिति है। जैन ने कहा कि केवल वार्ड संख्या 9 और वार्ड संख्या 14 का आधा हिस्सा क्षतिग्रस्त है, और वे बंद हैं।

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर छह सौ से अधिक यातायात चलान किए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में नए साल की पूर्व संध्या पर नियमों का उल्लंघन कर वाहन चलाने के मामले में 600 से अधिक लोगों पर जुर्माना लगाया है। इनमें शराब पीकर और खतरनाक तरीके से वाहन चलाने जैसा मामले शामिल है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार शराब पीकर गाड़ी चलाने के लिए छत्तीस, खतरनाक ड्राइविंग के लिए 103, बिना हेलमेट के ड्राइविंग के लिए 370, ट्रिपल राइडिंग के लिए 48 और अन्य उल्लंघन के लिए 100 चालान जारी किए गए थे। उन्होंने कहा कि जारी किए गए चालानों की कुल संख्या 657 है। पिछले साल पुलिस ने इस साल के मुकाबले दोगुने से ज्यादा।,336 चालान जारी किए थे। यह संख्या मुख्य रूप से कम है क्योंकि बढ़ते कोविड मामलों को देखते हुए राष्ट्रीय राजधानी में रात का कर्फ्यू लगा हुआ है। पुलिस ने कहा था कि नए साल की पूर्व संध्या पर दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा यहां कोविड-19 के प्रसार को ध्यान में रखते हुए जारी दिशा-निर्देशों को लागू करने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

सोशल मीडिया पर महिला की तस्वीरें पोस्ट करने के मामले में व्यक्ति गिरफ्तार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सोशल मीडिया पर महिलाओं की निजी तस्वीरें कथित तौर पर पोस्ट करने के मामले में 33 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के निवासी राजेश सिंह सुमन के रूप में हुई है।
पुलिस के अनुसार, एक महिला ने द्वारका दक्षिण पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई कि सुमन उस पर नजर रख रहा है, ब्लैकमेल कर रहा है और धमकी दे रहा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला एक वैवाहिक वेबसाइट के माध्यम आरोपी के संपर्क में आई और उससे कई बार मिली जिसके बाद उसने कुछ अपनी निजी तस्वीरें उसके साथ साझा की। हालांकि, उनकी शादी नहीं हुई, जिसके बाद आरोपी शिकायतकर्ता को ब्लैकमेल करने लगा और धमकी देने लगा कि वह उसकी तस्वीर सोशल मीडिया मंचों पर साझा करेगा और परिचितों को भेज देगा। पुलिस ने बताया कि महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी ने फर्जी फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट उसके नाम पर बनाया और तस्वीरें पोस्ट करने लगा। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) शंकर चौधरी ने बताया कि आरोपी को अलीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया और उसका फोन जब्त कर लिया गया। इससे पहले भी सुमन को इसी तरह के मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने दावा किया कि सुमन ने पूछताछ में यह स्वीकार किया है कि उसने कई महिलाओं के साथ इस तरह के अपराध किए हैं।

ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का पुनर्गठन

■ नई दिल्ली

अध्यक्ष ने वर्तमान टीम से सक्रिय होने की व्यक्त की आशा

ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पुनर्गठन किया गया है। तिब्बी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर मुस्ताक अहमद ने आशा व्यक्त की है कि वर्तमान टीम पूरी तरह से सक्रिय होगी बल्कि अपने मकसद को प्राप्त करने में भी कामयाब होगी। उनका कहना है कि कुछ अप्रत्याशित कारणों की वजह से संगठन में मामूली तौर से परिवर्तन किया गया है। उन्होंने कहा कि यूनानी चिकित्सा पद्धति के साथ केंद्र व राज्य सरकारों के भेदभाव पूर्ण रवैया से हमारे अंदर बेचैनी पाई जा रही है और हम इंसाफ पाने तक अपने जद्दोजहद को जारी रखेंगे। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष के तौर पर डॉक्टर अब्दुल जब्बार सिद्दीकी को शामिल किया गया है जबकि उपाध्यक्ष के तौर पर डॉक्टर एस एम हुसैन, डॉक्टर मोहम्मद अताउल्लाह शरीफ, प्रोफेसर सैयद फजलुल्लाह कादरी, प्रोफेसर गुलाम कुतुब चिश्ती, डॉ गजाला जावेद को नियुक्त किया गया है। महासचिव के तौर पर डॉ सैयद अहमद खान और ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री के तौर पर डॉक्टर डी आर सिंह एवं सचिव के तौर पर प्रोफेसर अख्तर हुसैन चौधरी, डॉक्टर सबाहतुल्ला अमरोहवी, डॉक्टर एस एम याकूब, डॉक्टर शहनाज परवीन, डॉक्टर खालिद मोहम्मद सैफुल्लाह और कोषाध्यक्ष के तौर पर डॉ शमशाद अहमद खान को नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर कई प्रदेश अध्यक्षों की भी नियुक्ति की गई है जिसमें डॉक्टर अतीक अहमद खान को तेलंगाना, डॉक्टर शब्बीर अहमद अंसारी असम, डॉक्टर नवाज उल हक राजस्थान, डॉक्टर एहसान एजाज उत्तर प्रदेश, डॉक्टर शकील अहमद उमरदराज खान महाराष्ट्र, डॉक्टर संजय धींगरा दिल्ली, डॉक्टर मोहम्मद निजामुद्दीन पश्चिम बंगाल, डॉ मोहम्मद यूसुफ पीरजादा जम्मू एंड कश्मीर, डॉक्टर अजीमा बेगम मणिपुर इंफाल, डॉक्टर के टी अजमल केरला आदि शामिल है।

शिशु को जन्म देने का विकल्प चुनना व्यक्तिगत स्वतंत्रता का एक आयाम है : कोर्ट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक गर्भवती महिला को भ्रूण में अधिक विकृति रहने के चलते मेडिकल गर्भपात कराने की अनुमति दी है और कहा कि शिशु को जन्म देने का विकल्प चुनना व्यक्तिगत स्वतंत्रता का एक आयाम है जो संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित है। महिला को 28 हफ्ते का गर्भ है। न्यायमूर्ति ज्योति सिंह ने गर्भपात कराने की महिला की याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि गर्भावस्था जारी रखने की अनुमति देने से याचिकाकर्ता के मानसिक स्वास्थ्य पर नुकसानदेह असर पड़ेगा और मेडिकल बोर्ड की राय के मद्देनजर उसे गर्भावस्था जारी रखने या नहीं रखने का फैसला लेने की स्वतंत्रता से वंचित नहीं किया जा सकता। न्यायाधीश ने कहा कि मेडिकल विशेषज्ञों के मुताबिक भ्रूण के एक स्वस्थ और सामान्य जीवन जीने की संभावना बहुत कम है। जन्म के बाद शिशु को जीवन के शुरूआती समय में हृदय की सर्जरी कराने और किशोरावस्था या युवावस्था में फिर से यह सर्जरी कराने की जरूरत होगी, जिससे उसका पूरा जीवन चिकित्सकीय परिस्थिति और चिकित्सकीय देखभाल पर निर्भर हो जाएगा। अदालत ने 31 दिसंबर को जारी आदेश में यह भी कहा कि शिशु को प्रसव के दौरान और जन्म के बाद भी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जो उसके जीवन की गुणवत्ता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेगा।

परेशानी *धौला कुआं में बस के अंदर जाने के लिए लोगों की भारी भीड़।*

वैष्णो देवी तीर्थ में हुई भगदड़ पर केजरीवाल ने जताया शोक

■ नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने वैष्णो देवी तीर्थ के दौरान हुई भगदड़ में लोगों की मौत पर शनिवार को शोक प्रकट किया और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। केजरीवाल ने एक ट्वीट मे कहा कि माता वैष्णो देवी मंदिर परिसर में हुई घटना के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। उन्होंने कहा कि मैं ईश्वर से सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। बता दें कि प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र में श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ के चलते भगदड़ में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई।

छात्रों में सीखने के स्तर में सुधार के लिए पढ़े भारत अभियान शुरू

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ये क्रियाकलाप सरल और आनंददायक हैं जिन्हें घर पर उपलब्ध संसाधनों के साथ तथा स्कूल बंद होने की स्थिति में माता-पिता, साथियों और भाई-बहनों की मदद से आसानी से पूरा किया जा सकता है।

शिक्षा मंत्रालय ने छात्रों के सीखने के स्तर में सुधार लाने के लिए शनिवार (एक जनवरी) से 100 दिवसीय पुस्तक पठन अभियान पढ़े भारत की शुरुआत की। इसका मकसद छात्रों में रचनात्मकता, चिंतन, शब्दावली के साथ-साथ मौखिक तथा लिखित दोनों तरह से अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित करना है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ट्वीट किया, पुस्तक पढ़ना एक अच्छी आदत है और यह संज्ञानात्मक भाषा एवं सामाजिक कौशल के विकास का शानदार माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नागरिकों को नियमित रूप से पुस्तक पढ़ने के सुझाव से प्रेरित होकर मैं जीवन पर्यंत पुस्तक पढ़ने की आदत विकसित करने को प्रतिबद्ध हूं। प्रधान ने अपने ट्वीट के साथ पांच पुस्तकों की सूची भी जारी की जिन्हें उन्होंने पढ़ने के लिए चुना है। इसमें जेम्स क्लीन रचित एटोमिक हैबिट, रस्किन बांड की अ लिटिल बुक आफ हैप्पीनेस, स्वामी विवेकानंद की रिफ्लेक्शन्स, के राधानाथ राय की चिल्का और फकीर मोहन सेनापति की प्रायश्चित शामिल है। उन्होंने कहा कि वे हर व्यक्ति खासकर युवाओं को पुस्तक पढ़ने की आदत को अपनाने की अपील करते हैं। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, एक जनवरी 2022 से शुरू होकर 10 अप्रैल 2022 तक चलने वाले इस अभियान में बालवाटिका से आठवीं कक्षा तक के बच्चे हिस्सा ले रहे हैं। इस अभियान में प्रति समूह प्रति सप्ताह एक क्रियाकलाप को इस तरह तैयार किया गया है कि पढ़ाई मनोरंजक बने और पढ़ाई का आनंद बना रहे। बयान के अनुसार, क्रियाकलापों को, उम्र के अनुसार उपयुक्त साप्ताहिक कैलेंडर सहित पढ़ाई अभियान पर एक व्यापक दिशानिर्देश तैयार कर राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझा किया गया है। मंत्रालय के अनुसार, ये क्रियाकलाप सरल और आनंददायक हैं जिन्हें घर पर उपलब्ध संसाधनों के साथ तथा स्कूल बंद होने की स्थिति में माता-पिता, साथियों और भाई-बहनों की मदद से आसानी से पूरा किया जा सकता है।

दिल्ली में 10 साल से अधिक पुराने एक लाख डीजल वाहनों का पंजीकरण रद्द

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने शनिवार को 10 साल पुराने एक लाख से अधिक डीजल वाहनों का पंजीकरण रद्द कर दिया, जिससे उनके मालिकों के पास या तो उसमें इलेक्ट्रिक किट फिट कराने या अन्य राज्यों में बेचने का विकल्प है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी।
दिल्ली परिवहन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आने वाले दिनों में 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों का भी पंजीकरण रद्द किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे पुराने पेट्रोल वाहनों की संख्या 43 लाख से अधिक होने का अनुमान है, जिसमें 32 लाख दोपहिया और 11 लाख कारें शामिल हैं। परिवहन विभाग ने चेतावनी दी है कि अगर 10 साल पुराना डीजल वाहन या 15 साल से पुराना पेट्रोल वाहन अगर सड़कों पर दौड़ता हुआ पाया जाता है ।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना राशि को बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को दी जा रही सम्मान राशि को 6 हजार से बढ़ाकर 12 हजार की जाए। यह मांग किसान कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर ने केन्द्र सरकार से की। सुधीर त्यागी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत गोरखपुर किसान रैली से की थी उस दौरान मैं भाजपा किसान मोर्चा का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और कार्यालय प्रभारी था भाजपा किसान मोर्चा ने ही यह योजना लागू करने की अपील प्रधानमंत्री से की थी।
उन्होंने कहा कि 6 हजार की रकम किसानों के लिए बहुत कम है। इसके साथ ही जो किसान अपनी उम्र के 60 साल पार कर चुके हैं उन्हें केंद्र सरकार की ओर से पेंशन दिया जाना चाहिए।

संपादकीय

रियायत की सियासत

झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य के राशनकार्डधारी दुपहिया वाहन चालकों को प्रति लीटर पेट्रोल में 25 रुपये की राहत देने की घोषणा करके पूरे देश को चौंकाया है। अन्य राज्यों के लोगों में उम्मीद जगायी है कि वहां भी ऐसी ही घोषणा हो। यूं तो पूरे देश में लोकतांत्रिक प्रणाली में रचनात्मक विकास से जनता की आकांक्षाओं पर खरे न उतर पाने वाले राजनेता जनता को मुफ्त का प्रलोभन अक्सर देते नजर आते हैं। खासकर उन राज्यों में, जहां चुनाव नजदीक हों। सोरेन सरकार ने अपने कार्यकाल के दो साल पूरे होने पर सस्ता पेट्रोल देने का वादा किया है। लेकिन हर किसी के दिमाग में यही सवाल है कि इस सस्ते पेट्रोल का अर्थशास्त्र क्या होगा? इसकी वजह यह है कि पेट्रोल के दाम में राज्य सरकार का हिस्सा सिर्फ वैट के रूप में होता है। यदि झारखंड सरकार पूरा वैट माफ कर दे तो भी 25 रुपये की छूट नहीं दी जा सकती। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दीवाली के आसपास मोदी सरकार ने उत्पाद शुल्क में कमी करके जनता को राहत दी थी, जिसके बाद कुछ राज्य सरकारों ने भी वैट में कमी करके जनता को अतिरिक्त राहत दी थी। लेकिन झारखंड में राहत ज्यादा बड़ी है। बहरहाल, सोरेन सरकार ने 26 जनवरी, 2022 से राहत की नई व्यवस्था लागू करने की घोषणा की है। लेकिन सवाल वही है कि यह मुमकिन कैसे होगा? कह सकते हैं कि यह फैसला अभूतपूर्व है और महंगाई के दौर में जनता को राहत देने के लिये अन्य राज्यों के लिये अनुकरणीय है। हाल के महीनों में जिस तेजी से पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़े हैं, उसने लोगों का बजट बिगाड़ दिया है। वहीं बाजार में महंगाई में जो अभूतपूर्व तेजी देखी जा रही है, उसमें पेट्रोलियम पदार्थों की महंगाई की भी भूमिका हैं क्योंकि डीजल के दामों में वृद्धि से मालभाड़े में वृद्धि हो जाती है। हालांकि यह ट्रेंड वैश्विक है।

पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में तेजी से जनता में बेचैनी है। ऐसे में जहां एक ओर जनता में झारखंड की पहल की तरह दामों में राहत देने की आकांक्षा बढ़ेगी, वहीं राजनीतिक कारणों से ऐसी प्रतिस्पर्धा भी पैदा हो सकती है। निस्संदेह, समाज के कमजोर वर्गों को राहत दी जानी चाहिए। ऐसे में झारखंड सरकार का प्रयास एक मिसाल है, जो स्कूटर व मोटरसाइकिल धारकों के लिये राहतकारी है। हालांकि, इस योजना के क्रियान्वयन की अपनी दिक्कतें होंगी। इसे लागू करना सरल नहीं होगा। जहां एक ओर पेट्रोल पंपों पर पारदर्शी व्यवस्था बनानी होगी, वहीं कोशिश करनी होगी कि इस छूट का दुरुपयोग न हो। कहीं रियायती दरों के पेट्रोल का उपयोग चौपहिया वाहन चालक येन-केन प्रकारेण न करने लग जाएं। विगत में पेट्रोल पंपों की कार्यप्रणाली को लेकर तमाम सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में जरूरतमंदों को दी जानी वाली राहत का क्षरण रोकना प्राथमिकता हो, जिसके लिये राज्य में एक व्यावहारिक ढांचा बनाये जाने की जरूरत है, ताकि छूट व सब्सिडी का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंच पाये। लेकिन सवाल वही पुराना है कि पहले से कर्ज में डूबे राज्य में पूरा वैट माफ करने के बाद भी सब्सिडी देने से राज्य की वित्तीय सेहत कैसे कायम रह सकेगी। उल्लेखनीय है कि पेट्रोल पर मुख्य रूप से तीन कर लगते हैं। पहला केंद्र सरकार द्वारा लगाये जाने वाला उत्पाद शुल्क, जिसमें राज्य सरकार कटौती नहीं कर सकती। दूसरा डीलर का कमीशन होता है जिसे वे छोड़ने को तैयार नहीं होंगे। तीसरा राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आने वाला वैट है, जो फिलहाल झारखंड में बाइस फीसदी है, जो प्रति लीटर पेट्रोल पर साढ़े सत्रह रुपये बैठता है। ऐसे में राज्य सरकार को पूरा वैट छोड़ने के बावजूद साढ़े सात रुपये के करीब सब्सिडी प्रति लीटर देनी पड़ेगी। तब जाकर राज्य सरकार प्रति लीटर पच्चीस रुपये की छूट दे पायेगी। ऐसे में सरकार इस योजना को खस्ता माली हालत में कितने दिन चला पायेगी? वैसे उपभोक्ताओं को पेट्रोल पंपों पर एक माह में दस लीटर रियायती पेट्रोल की भी पूरी कीमत देनी होगी और छूट की राशि डीबीटी के जरिये उनके खातों में पहुंचेगी।

आएगी कोरोना की सुनामी!

ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों की अनदेखी करते हुए भारत में चुनावी रैलियों का बुखार उफान पर है तो दुनिया विश्व स्वास्थ्य संगठन की उस चेतावनी से थर्रा उठी है कि इस बार कोरोना की लहर नहीं सुनामी आ रही है। बुधवार को विश्व भर में कोविड-19 के मामलों का नया रिकार्ड बन गया। पिछले हफ्ते दुनिया भर में रोजाना कोविड-19 के औसतन नौ लाख मामले दर्ज किए गए। पिछले 36 घंटों में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और बोलीविया के अलावा यूरोप के भी कई देशों में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई। हालांकि अनेक शोध इस बात को दोहरा चुके हैं कि ओमीक्रोन वेरिएंट पिछले वेरिएंट से कम घातक है। तो भी, इतनी बड़ी संख्या में लोगों का संक्रमित होना स्वास्थ्य तंत्र पर अतिरिक्त बोझ डाल सकता है। बहुत से देशों में उद्योग व्यापार को फिर बंदी झेलनी पड़ सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि ओमीक्रोन ज्यादा संक्रामक है और डेल्टा के साथ-साथ फैल रहा है, संगठन को चिंता है कि मामलों की सूनामी आने वाली है। ओमीक्रोन के कम खतरनाक होने से इससे निपटने के उपायों में भी विभिन्न देश ढील बरत रहे हैं। स्पेन क्वारन्टीन की अवधि 10 दिन से घटाकर 7 कर रहा है, इटली भी इसके नियमों में ढील देने जा रहा है। अमेरिका में भी उन लोगों के लिए क्वारन्टीन की अवधि 10 दिन के बजाय 5 कर दी गई है जिनमें कोविड-19 के कोई लक्षण नहीं हैं। फ्रांस में 24 घंटे में दो लाख से ज्यादा मामले सामने आए जो एक नया राष्ट्रीय और यूरोपीय रिकार्ड है। ब्रिटेन, इटली, स्पेन, पुर्तगाल, ग्रीस, साइप्रस और माल्टा में भी मंगलवार को रिकार्ड नये मामले दर्ज किए गए। यूएस सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार मामले तेजी से बढ़ने के बावजूद अस्पतालों में भर्ती होने वाले लोगों की संख्या और मौतों में ज्यादा वृद्धि नहीं हुई है। इसी कारण सरकारें लॉकडाउन जैसे कड़े उपायों से बच रही हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा कि वह इस साल इंग्लैंड़ में नई पाबंदियां लागू नहीं करेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने भी लॉकडाउन की संभावना खारिज कर दी है। भारत के कई राज्यों में प्रशासन ने नये साल के जश्न पर पाबंदी लगाते हुए नये नियम लागू किए हैं। दिल्ली और मुंबई में रेस्तरा, जिम, पब आदि बंद कर दिए गए हैं। दिल्ली सहित कई राज्यों में रात का कर्फ्यू लगाया गया है।

परिधि/ विशाल तिवारी

न्याय की राह में कई रोड़े

बीते 9 दिसम्बर को संविधान सभा की पहली बैठक के 75 साल पूरे हो गए। इसके ईद-गिर्द हुई चर्चा में सवाल भी उठा कि देश का आम आदमी संविधान से कितना वाकिफ है। यह सवाल इसलिए और महत्वपूर्ण हो जाता है, जब सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश इस बात को मानते हों कि देश की बड़ी आबादी अपने अधिकारों को लेकर जागरूक नहीं है।

न्यायाधीश अब्दुल नजीर ने एक कार्यक्रम में माना कि उत्तर भारत के लोग अपने अधिकारों के लेकर जागरूक नहीं, जिसके कारण उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ठीक है कि माननीय न्यायाधीश ने किसी भौगोलिक क्षेत्र विशेष के संदर्भ में यह बात कही, लेकिन कमोबेश यह बात देश की एक बड़ी आबादी पर लागू होती है। वैसे तो जागरूकता का सीधा संबंध शिक्षा से है, जिसमें हाल के दशकों में व्यापक सुधार हुआ है। गुणवत्ता बहस का विषय हो सकती है, मगर उच्च न्यायालयों में अंग्रेजी का वर्चस्व होना भी एक बड़ा कारक है। नियम-कानून हिंदी एवं अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में हैं भी तो बेहद क्लिष्ट, जिससे आमलोग रुचि नहीं दिखाते। अंग्रेजी के माध्यम से समाज के सोपान पर पहुंचा एक वर्ग यथास्थिति को बनाए रखना चाहता है। न्यायाधीश नजीर ने न्याय में देरी को 'समाज में कैंसर' जैसी बीमारी से तुलना की। न्याय में देरी की वजह से भी लोग कानूनी प्रक्रिया को लेकर उदासीन हो जाते हैं। इसके अलावा जिस तरह न्याय आतथक रूप से कमजोर व्यक्ति के लिए महंगा होता जा रहा है, वह भी चिंता का विषय है। वैसे आज भी देश के अधिकतर कानून ब्रिटिशकालीन हैं, जिसका मकसद था शासन करना न कि न्याय करना। समय की मांग है कि देश की न्याय व्यवस्था का अब भारतीयकरण किया जाए। भले इसमें समय लगे, लेकिन न्याय व्यवस्था को भारतीय समाज, विरासत और संस्कृति के हिसाब से ढालना चाहिए।

न्यायाधीश नजीर के शब्दों में भारत की प्राचीन न्याय प्रणाली में न्याय मांगने की बात निहित है। इसके विपरीत ब्रिटिश न्याय व्यवस्था में न्याय की गुहार लगाई जाती है, न्याय के लिए प्रार्थना करनी पड़ती है। न्याय कोई अनुग्रह नहीं है; यह जनता का अधिकार है और इसका सम्मान होना चाहिए। खैर, उम्मीद है आजादी के 75वें वर्ष में इस दिशा में ठोस पहल होगी।

नव सृजन से हो नव-वर्ष का अभिनंदन

विनोद बंसल

भारत व्रत, पर्व व त्योहारों का देश है। यूं तो हम हर दिन को पावन मानते हैं। महापुरुषों की मृत्यु के दिनों पर भी हम छाती पीटते या शोक व्यक्त करने के स्थान पर उसे पुण्य तिथि के रूप में मनाते हुए कुछ नव-संकल्पों के साथ उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा लेते हैं। हम सदैव उत्कर्ष, प्रकाश, प्रगति, धर्म तथा विश्व-कल्याण मार्ग के अनुगामी हैं। नकारात्मकता का किसी भी भारतीय पर्व या त्योहारों में कोई स्थान है ही नहीं। नव वर्ष भी तो एक नव सृजन का ही संदेश लेकर आता है। कुछ नया होता है तभी तो उसे नया वर्ष कहते हैं। जब नया आता है तो उसका स्वागत भी तो धूम धाम से होना ही चाहिए। इस धूमधाम का वास्तविक अर्थ क्या! नव वर्ष के स्वागत के लिए कुछ ऐसा करना चाहिए जिससे हर मन में सात्विक नव ऊर्जा का संचार हो। हमारे संस्कार व संस्कृति कहती है कि हम नवागंतुक का स्वागत दीप जलाकर, थाली सजा, आरती उतार कर करें। कुमकुम, तिलक या टीका लगाकर, स्वच्छ वस्त्र पहनकर, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य आदि से घर को सुगंधित कर शंख व मंगल ध्वनि के साथ हवन-यज्ञ, सत्संग आराधना द्वारा प्रभु का गुणगान करें। प्रभात-फ़ेरियां निकालें, गऊओं, संतों व वरिष्ठ जनों की सेवा कर, संतों, विद्वानों, कन्याओं, निराश्रितों तथा गौ माताओं को भोजन कराकर पुण्य लाभ कमाएं। भगवान के मंदिर जाएं, गरीबों और रोगियों की सहायता, वृक्षारोपण, समाज में प्यार और विश्वास बढ़ाने के प्रयास, तथा शिक्षा का प्रसार जैसे कार्यों का संकल्प लें। इनके अलावा भी जीवन में उत्साह व आनंद भरने तथा आत्म गौरव बढ़ाने संबंधी अनेक अन्य प्रकार भी स्वागत व अभिवादन हेतु प्रयुक्त किए जा सकते हैं। इसके स्वागतार्थ जाम से जाम टकराने की जगह गौ-घृत के दीप-से दीप जलाकर हृदय से हृदय मिलाएं। बड़ों का तिरस्कार कर नहीं अपितु, उनका अनुशासन व आशीर्वाद पा कर करें नव वर्ष का स्वागत।

> कुछ ना कुछ समाजोपयोगी या जन-कल्याणकारी कार्य का शुभारंभ अवश्य करें और रात्रि के अंधेरे के स्थान सूर्य की पहली किरण से करें उसका अभिनंदन। आखिर नव-सृजन से ही तो होना चाहिए नव-वर्ष का अभिनंदन!

विचारणीय बात यह भी है कि कोई भी पर्व या त्योहार तब तक भारतीय नहीं कहलाया जा सकता जब तक कि उसके मनाने से जीवन में नव उत्साह या आनंद का संचार ना हो। कोई शिक्षा या संदेश ना हो। उसके पीछे कोई विचार, आदर्श या ज्ञान-विज्ञान ना हो। काल गणना का प्रत्येक पल अपना विशिष्ट महत्व रखता है। किंतु, भारतीय नव वर्ष (विक्रमी संवत) का पहला दिन (यानी वर्ष प्रतिपदा) अपने आप में अनूठा है। इसे नव संवत्सर भी कहते हैं। पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमते हुए इसी दिन सूर्यदेव का एक चक्कर पूरा करती है। दिन-रात बराबर होते हैं। चंद्रमा की चांदनी अपनी छटा बिखेरना प्रारंभ कर देती है। ऋतुओं के राजा वसंत के आगमन के कारण प्राकृतिक सौंदर्य अपने चरम पर होता है। फागुन के रंग और फूलों की सुगंध तन-मन को प्रमुदित कर देती है।

विक्रमी संवत की वैज्ञानिकता भी उल्लेखनीय है। पराक्रमी सम्राट विक्रमादित्य द्वारा प्रारंभ किए जाने के कारण इसे विक्रमी संवत के नाम से जाना जाता है। इसे ईस्वी सन से 57 वर्ष पूर्व प्रारंभ किया गया। इस संवत के बाद से ही वर्ष को 12 माह का और सप्ताह को 7 दिन का माना गया। चंद्रमा के पृथ्वी के चारों ओर एक चक्कर लगाने को एक माह माना जाता है, जो कि वास्तव में 29 दिन का होता है। हर मास को दो भागों में बांटा जाता है। कृष्णपक्ष और शुक्लपक्ष। कृष्णपक्ष में चंद्रमा का आकार घटता है किन्तु, शुक्लपक्ष में वह बढ़ता है। कृष्ण पक्ष के अंतिम दिन (अमावस्या) चंद्रमा बिल्कुल दिखाई नहीं देता। जबकि, शुक्ल पक्ष के अंतिम दिन (पूर्णिमा) चन्दा मामा अपने पूरे यौवन पर होते हैं। आधी रात के बदले सूर्योदय से दिन बदलने की व्यवस्था, सोमवार के स्थान पर रविवार को सप्ताह का प्रथम दिवस मानना और चैत्र कृष्ण प्रतिपदा के स्थान पर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से ही वर्ष को आरंभ करने का भी एक बड़ा वैज्ञानिक आधार है।

इंग्लैंड के ग्रीनविच नामक स्थान से तारीख बदलने की व्यवस्था रात के 12 बजे से है। सोचिए! वह इसलिए है क्योंकि उस समय भारत में भगवान सूर्य की अगवानी हेतु प्रातः 5.30 बजे होते हैं। सप्ताह के वारों का नामकरण भी तो देखो कितना वैज्ञानिक है! आकाश में ग्रहों की स्थिति सूर्य से प्रारंभ करें तो हम पाते हैं कि ये सभी क्रमशः बुध, शुक्र, चंद्र, मंगल, गुरु और शनि हैं। पृथ्वी के उपग्रह चंद्रमा सहित इन्हीं अन्य छह ग्रहों पर सप्ताह के सात दिनों का नामकरण किया गया। एक और बात, तिथि घटे या बढ़े किंतु सूर्य ग्रहण सदा अमावस्या को होगा और चंद्र ग्रहण सदा पूर्णिमा को होगा। इसमें अंतर हो ही नहीं सकता। तीसरे वर्ष एक मास बढ़ जाने पर भी ऋतुओं का प्रभाव उन्हीं महीनों में दिखाई देता है जिनमें, सामान्य वर्षों में दिखाई पड़ता है। वसंत के फूल चैत्र-वैशाख में तथा पतझड़ माघ-फागुन में ही होती है। यानि, इस काल गणना में नक्षत्रों, ऋतुओं, महीनों व दिवसों आदि का निर्धारण पूरी तरह प्रकृति पर आधारित है।

जिस प्रकार ईस्वी संवत का संबंध ईशा मसीह से है, उसी प्रकार हिजरी संवत का संबंध पैगंबर हजरत मुहम्मद से है। किंतु विक्रमी संवत का आधार कोई व्यक्ति न हो कर प्रकृति और खगोलीय सिद्धांत हैं। इसीलिए हमारे यहां नव वर्ष का स्वागत रात के अंधेरे में नहीं बल्कि, सूरज की पहली किरण के साथ किए जाने की परंपरा है।

इतने वैज्ञानिक, खगोलीय, धार्मिक सांस्कृतिक व आध्यात्मिक सम्पन्नताएं तथा नवीनताएं लिए भारतीय नव वर्ष को छोड़ सिर्फ अंग्रेजी अवैज्ञानिक मान्यताओं के आधार पर बने ईस्वी संवत को हम कब तक ढोते रहेंगे। वैसे भी जरा सोचिए! घर-परिवार, व्यवसाय व समाज में कोई खुशी का अवसर हो यथा जन्म का, संस्कारों का, गृह प्रवेश का, यात्रा का, शादी-विवाह इत्यादि का, तो उसका शुभ मुहूर्त निकलवाने हम पंडित जी के पास जाते ही हैं ना! पंडित जी वह मुहूर्त भी तो इसी काल गणना के आधार पर निकालते हैं, अंग्रेजी कलेंडर से नहीं।

आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने स्वाभिमान, स्व-संस्कृति तथा स्वधर्म का पालन करते हुए नव-वर्ष को पूरी निष्ठा पूर्वक आत्मसात कर धूम-धाम से मनाएं और विश्वभर में वेदामृत का प्रकाश फैलाएं। यदि दूसरों के त्योहारों या मान्यताओं का साथ देने भर की बात हो तो उसमें भी अपनी मर्यादाओं, संस्कारों तथा नैतिक मूल्यों को कदापि ना छोड़ें। कुछ ना कुछ समाजोपयोगी या जन-कल्याणकारी कार्य का शुभारंभ अवश्य करें और रात्रि के अंधेरे के स्थान सूर्य की पहली किरण से करें उसका अभिनंदन। आखिर नव-सृजन से ही तो होना चाहिए नव-वर्ष का अभिनंदन!

(लेखक, विचारक व चिंतक के साथ विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं।)

चर्चित चेहरा

अनुभवी मिसरी को बड़ी जिम्मेदारी

अरुण नैथानी

जिस शख्स ने देश के तीन प्रधानमंत्रियों के निजी सचिव के रूप में यूरोप, अफ्रीका व उत्तरी अमेरिका में भारतीय मिशनों में तथा चीन के साथ सबसे मुश्किल समय में चुनौतिपूर्ण भूमिका निभाई हो, उस व्यक्ति को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देना निस्संदेह तार्किक ही है। हाल में चीन में राजदूत के दायित्वों से मुक्त होने के बाद विक्रम मिसरी को उपराष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार यानी डिप्टी एनएसए बनाया जाना उनकी क्षमता व अनुभव का बेहतर उपयोग ही कहा जायेगा। खासकर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की टीम को ऐसे वक्त में मदद मिलेगी, जब चीन से भारत के रिश्ते इतिहास के सबसे जटिल दौर में पहुंच चुके हैं। बेहद टकराव भरे समय में चीन में राजदूत के रूप में उनके तीन साल के कार्यकाल का अनुभव भविष्य की कूटनीतिक रणनीति बनाने में निस्संदेह सहायक ही होगा। दरअसल, मिसरी वर्तमान डिप्टी एनएसए पंकज सरन का स्थान लेंगे, जो आज अपने पद से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। पंकज सरन इससे पहले रूस व बांग्लादेश में भारतीय मिशन की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। चीन में राजदूत के रूप में मिसरी की पारी कितनी महत्वपूर्ण रही है, यह इस बात से पता चलता है कि उनके विदाई कार्यक्रम में चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने भाग लिया और उनके कार्यकाल के दौरान भूमिका को सराहा।

सात नवंबर, 1964 को कश्मीर स्थित श्रीनगर में जन्मे विक्रम मिसरी वर्ष 1989 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी हैं। प्रारंभिक शिक्षा सिंधिया स्कूल से करने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कालेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। कालांतर उन्होंने एमबीए की डिग्री भी हासिल की। इसके बाद तीन साल तक विज्ञापन व विज्ञापन फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कार्य भी किया। वे केंद्र सरकार में विदेश मंत्रालय में अंडर सेक्रेटरी से लेकर निदेशक तक का दायित्व संभाल चुके हैं। उन्होंने देश के तीन प्रधानमंत्रियों का विश्वास हासिल किया। उन्होंने वर्ष 1997 से मार्च, 1998 तक प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल के, अक्तूबर, 2012 से मई, 2014 तक प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह तथा वर्ष 2014 में मई से जुलाई तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निजी सचिव के रूप में काम किया।

मिसरी को वर्ष 2018 में चीन का राजदूत बनाया गया। इसके बाद का समय दोनों देशों के बीच बेहद टकरावभरा रहा है। जिसका चरम लद्दाख की गलवान घाटी में भारत-चीन के सैनिकों के बीच खूनी संघर्ष के रूप में सामने आया। जिसमें दोनों तरफ के सैनिकों की क्षति हुई। जिसके चलते कूटनीतिक संबंध बेहद खराब दौर में पहुंच गये। ऐसे मुश्किल वक्त में दोनों देशों के बीच हुई बातचीत में मिसरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वे लगातार चीनी पक्ष को स्मरण कराते रहे हैं कि दोनों देशों के बीच मौजूदा दौर चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन ये संबंध बेहद संभावना भरे भी हैं। साथ ही राजनीतिक, कूटनीतिक व सैन्य वार्ताओं को रास्ता निकालने में सहायक बताया।

भारत में नवंबर, 2019 में जब महाबलीपुरम में भारत व चीन के शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भाग लिया तो उस महत्वपूर्ण दौर में मिसरी ने चीन में राजदूत के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। इन कूटनीतिक चुनौतियों के अलावा वर्ष 2019 की समाप्ति पर जब कोरोना महामारी ने चीन से निकलकर पूरी दुनिया में कोहराम मचाया तो भारतीय राजदूत के रूप में उन्होंने बेहद चुनौतीपूर्ण समय का मुकाबला किया। एक ओर जहां व्यापारिक रिश्ते बाधित हुए और दवाओं से जुड़ी कच्ची सामग्री समेत आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में बाधा आई तो मिसरी की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई। इसके अलावा भारतीय नागरिकों के आवागमन के अलावा चीन में पढ़ने वाले करीब ढाई हजार छात्रों के भारत में फंसने का संकट भी सामने था। इस समस्याओं के निदान में उन्होंने रचनात्मक भूमिका निभाई।

निस्संदेह, भारत-चीन के रिश्ते सामान्य करने में उनका पिछला अनुभव काम आयेगा। हालांकि, अनुभवी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की टीम में दो अन्य उपराष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार राजेंद्र खन्ना और दत्ता पंडसालगिकर पहले ही काम कर रहे हैं। निस्संदेह, ऐसे में प्रधानमंत्री कार्यालय में काम करने का उनका अनुभव काम आयेगा। निस्संदेह, एक अनुभवी राजनयिक विक्रम मिसरी की नयी पारी का लाभ देश को मिलेगा।

बदले हुए भू-सामरिक परिदृश्य में भारत व चीन के बीच संबंध सामान्य करना भारत की प्राथमिकता है। हालांकि, रूस से करीब होते रिश्ते देश का संबल बढ़ाने वाले हैं, लेकिन भौगोलिक रूप से चीन हमारा पड़ोसी है, हमारे व्यापारिक हित आपस में जुड़े हैं। ऐसे में जून, 2020 में लद्दाख की गलवान घाटी की घटना व सीमा पर बना तनाव कम करने में मिसरी की भूमिका का लाभ भविष्य की रणनीति को तैयार में मददगार होगा क्योंकि मिसरी इन वार्ताओं का हिस्सा रहे हैं। ऐसे में चीनी मामलों की विशेषज्ञ की देश को जरूरत भी थी, क्योंकि इस मुश्किल वक्त में मिसरी लगातार चीनी विदेश मंत्रालय के संपर्क में रहे थे। जिसके बाद सैन्य व कूटनीतिक वार्ताओं के बाद कुछ इलाकों से चीनी सेना की वापसी हुई। इसके अलावा विक्रम मिसरी को हिंद प्रशांत क्षेत्र के मामलों में एक कुशल रणनीतिकार माना जाता है। मिसरी इससे पहले म्यांमार और स्पेन में भारतीय राजदूत के तौर पर भी अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दे चुके हैं।

दिल्ली

स्टार्ट-अप वाला शहर

बी.पी. डोभाल

आज दिल्ली में 7000 से अधिक स्टार्ट-अप बन चुके हैं। इससे दिल्ली देश का सबसे सक्रिय स्टार्ट-अप वाला शहर बन गया है। इनका अनुमानित मूल्यांकन किया गया तो पता चला कि करीब 50 बिलियन डॉलर का यह क्षेत्र हो गया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने टीआईई ग्लोबल समिति में अपने विचार रखे थे, उनके अनुसार दिल्ली को वैश्विक स्टार्ट-अप डेस्टिनेशन में बदलने के लिए यह बुनियादी ढांचे की रूपरेखा है। इसके अंतर्गत स्कूल के छात्र हैं, जो अपने कॅरियर को सही अंजाम देने का प्रयास कर रहे हैं।

दिल्ली में स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित करने और सुविधाजनक बनाने के लिए कई प्रावधान बनाने की योजना है। इस नीति को टीआईई, दिल्ली और कई प्रमुख उद्यमियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के साथ केजरीवाल सरकार लागू करने जा रही है। इसके तहत उद्यमिता मानसिकता पाठ्यक्रम यानी एंटरप्रिन्योरशिप मांइडसेट करिकुलम स्कूलों में लागू करना है। यह पाठ्यक्रम जुलाई, 2019 में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य छात्रों के बीच में नवाचार की मानसिकता पैदा करना है। यह विचार छात्रों को 'नौकरी प्रदाता' के रूप में भी तैयार करने की योजना का भाग है।

पता चला है कि प्रत्येक दिन दिल्ली सरकार के स्कूलों में 9वीं से लेकर 12वीं कक्षा तक के बच्चे 40 मिनट अपना समय इस योजना के लिए देते हैं। ईएमसी यानी उद्यमिता मानसिकता पाठ्यक्रम में काफी बच्चे जुड़े हैं। यह भी पता चला कि बच्चों को 1,000 रुपये 'सीड मनी' के रूप में दिए जा रहे हैं ताकि उनमें उद्यमी होने के गुणों को विकसित करने में सहायता मिल सके। ईएमसी में 18,000 से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है। परिणामस्वरूप 14,000 छात्रों ने कक्षाओं में दाखिला लिया। विभाग ईएमसी पर छात्रों के साथ कक्षा की बातचीत के लिए करीब 17,000 उद्यमियों को शामिल करने की प्रक्रिया में है। मानव संसाधनों की सवात्तम गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में यह सराहनीय कदम है। इसके जरिए दिल्ली में कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय की स्थापना करने की शुरुआत हुई है। दिल्ली सरकार का मानना है कि कौशल आधारित डिग्री प्रदान करने के लिए विश्वस्तरीय कौशल केंद्र स्थापित किए जाएंगे। दिल्ली के टूल इंजीनियरिंग कॉलेज, जीबी पंत इंजीनियरिंग कॉलेज, आईटीआई और कौशल प्रशिक्षण केंद्रों को विश्वविद्यालय के दायरे में लाने के प्रयास हो रहे हैं। एक उद्योग टाई-अप इकाई भी होगी। यह इकाई उन छात्रों को इंटर्नशिप, प्लेसमेंट आदि की सुविधा भी देगी जो खुद का व्यवसाय यानी स्टार्ट-अप शुरू करना चाहते हैं। दिल्ली सरकार ने जिस पाठ्यक्रम की शुरुआत की है, वह अब बच्चों में स्वयं उद्योग खोलने और उसे विकसित करने का निश्चय पैदा कर रहा है। बजाय नौकरी की तलाश में जगह-जगह भटकने के स्वयं नौकरी पैदा कर दूसरों को रोजगार देने में ये बच्चे सहायक होंगे। कहा जा सकता है कि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सकारात्मक शिक्षा देने का यह सार्थक प्रयास साबित होगा। ऐसा ही पाठ्यक्रम सभी शिक्षण संस्थानों विशेषकर उन बच्चों, जिनकी बौद्धिक क्षमता तो है पर आत्मविश्वास की कमी के कारण कुछ कर नहीं पाते, को व्यवसाय चुनने में सही रास्ता दिखा सकता है। इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि जो कार्य दिल्ली की सरकार शिक्षा की गुणवत्ता के लिए कर रही है, उससे भविष्य के स्टार्ट-अप के जरिए कई सीईओ तैयार होंगे। आज दिल्ली में स्कूली बच्चे 'ऐप' बना कर बिजनेस करना सीख रहे हैं। एनर्जी पेय भी बेच रहे हैं। दिल्ली के ये नन्हे स्टार्स उपभोक्ताओं के दरवाजे-दरवाजे जाकर सिलाई सेवाएं भी दे रहे हैं। इनमें 'सिलाई मित्र' ऐप आधारित सिलाई स्टॉर्ट-अप भी हैं। इस ऐप की सहायता से ग्राहक भारत के सर्वश्रेष्ठ टेलर्स से कपड़े सिलवा सकते हैं।

सवाादय को-एड सीनियर सेकेंड्री स्कूल, मोती बाग के छात्रों अफीमा, गुलनाज, ध्रुवी और असगर ने इस आइडिया को निवेशकों के सामने रखा है। इस ऐप के जरिए यूजर कैटालॉग से तरह-तरह के डिजाइन भी चुन सकते हैं। ऐप समय पर कपडवें की डिलीवरी करने में भी सहायक होते हैं। इस स्टार्ट-अप के माध्यम से बच्चे उन टेलर्स को रोजगार देना चाहते हैं, जिनके पास कौशल तो है, पर दिखाने के लिए मंच नहीं है। उसकी पूर्ति यह ऐप कर सकता है। ऐसे ही सरकारी स्कूल के छात्रों साक्षी, मयंक, अभिषेक और राहुल ने 'टैप एंड ड्रॉ' आर्टिस्टिक पोर्टेट्स और ड्राईग से जुड़ा स्टार्ट-अप शुरू किया है। वे अपने यू-ट्यूब इंस्टाग्राम से इसे चलाते हैं। इस टीम ने एक महीने के भीतर 25 कस्टमर्स को सेवाएं देकर 26 हजार रुपये का लाभ भी कमाया है। इसी तरह सूफी, वर्षा और हिमांशु ने 'मिस्टिक डेट्स' स्टॉर्ट-अप शुरू किया है। यह अपने आप में नायाब पेय सप्लाई करवाता है। कहने का मतलब यही है कि छात्रों की शिक्षा को सही दिशा में मोडव जाए तो देश में बेरोजगारी तो हटेगी ही, साथ ही स्वावलंबन से आत्मनिर्भर भारत भी बनेगा। ऐसी शिक्षा देश के अन्य विद्यालयों में भी दी जानी चाहिए। दिल्ली इसमें एक मॉडल का काम करेगा।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail: gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त समाचार

डॉक्टरों की हड़ताल खत्म

नई दिल्ली। नीट पीजी काउंसलिंग कराने और डॉक्टरों पर पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के चलते हड़ताल पर गए रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल आज दोपहर 12 बजे खत्म हो गई। यह एलान फोर्डा के अध्यक्ष डॉ. मनीष ने की। डॉक्टर मनीष ने कहा कि मरीज पहले से ही काफी परेशान हो रहे हैं। कई सर्जरियां भी हड़ताल की वजह से टली हैं। इन सभी हालातों को ध्यान में रखते हुए हमने तय किया है कि आज दोपहर 12 बजे से सभी डॉक्टर काम पर लौटेंगे। डॉक्टरों को दिल्ली पुलिस ने एफआईआर वापस लेने का आश्वासन मिल गया है जिसके बाद रेजिडेंट डॉक्टरों ने 15वें दिन अपनी हड़ताल खत्म कर दी और काम पर लौट आए हैं।

नोएडा : सीटीईटी का प्रश्न पत्र लीक कराने वाले सॉल्वर गिरोह के 13 गिरफ्तार, सरगना फरार

नोएडा। सेक्टर-58 कोतवाली पुलिस ने बृहस्पतिवार तड़के केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) के प्रश्न पत्र को लीक कराने वाले सॉल्वर गिरोह के 13 सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जबकि सोनीपत निवासी वकील सहित गिरोह के तीन सरगना फरार हो गए। गिरफ्तार लोगों में दिल्ली पुलिस का नरेला थाने में तैनात एएसआई, सीआरपीएफ से अवकाशप्राप्त सिपाही और पांच महिला अभ्यर्थी भी शामिल हैं। महिलाओं को कुरुक्षेत्र, मथुरा और मुरादाबाद में बृहस्पतिवार को परीक्षा देनी थी। एक ओयो होटल में गिरोह के सदस्य महिला अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्र दिखाकर उत्तर रटा रहे थे। डीसीपी राजेश एस व एडीसीपी रणविजय सिंह ने बताया कि बुधवार रात चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। तड़के करीब साढे. तीन बजे सेक्टर-60 चौकी इंचार्ज ने साईं मंदिर के पास एक कार में बैठे युवकों से पूछताछ की तो उन्होंने परिजनों को पेपर दिलाने के लिए आने की बात कही। सख्ती से पूछताछ की गई तो सेक्टर-60 स्थित एक ओयो होटल में पुलिस पहुंची। यहां एक ही कमरे में 10-12 लोग मिले, जो पढ़ाई करा रहे थे। इनमें पांच महिलाएं थीं जो परीक्षा देने के लिए आई थीं। एसीपी रजनीश वर्मा ने पूछताछ की तो आरोपियों ने कबूल किया कि वह सीटीईटी का प्रश्न पत्र लीक कराने वाले गिरोह सरगना सोनीपत निवासी विनय दहिया, रवि व अंकित के लिए काम करते हैं। सरगना लीक प्रश्न पत्र पेन ड्राइव में लाकर लैपटॉप के जरिये अभ्यर्थियों को जवाब रटाते हैं और दो घंटे के तीन से पांच लाख रुपये लेते हैं। इसके बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि पुलिस की दबिश की सूचना मिलने पर सेक्टर-71 स्थित एक ओयो होटल में ठहरा विनय दहिया, अंकित और रवि पेन ड्राइव लेकर फरार हो गए। पेन ड्राइव में सीटीईटी का प्रश्न पत्र था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार लोगों में दिल्ली के न्यू ललितपुर थाना जगतपुरी निवासी राजेश (सॉल्वर), राजस्थान के झुंझुनू निवासी भवानी शर्मा (सीआरपीएफ से सेवानिवृत्त सिपाही), सोनीपत निवासी विकास (दिल्ली पुलिस में एएसआई), राजस्थान भरतपुर निवासी शिवराम सिंह (मीडिएटर), हाथरस निवासी रवि, प्रमोद कुमार, गजेंद्र सिंह (तीनों मीडिएटर), पलवल निवासी सुनील व रामअवतार (परीक्षार्थियों को तलाशता था), संभल निवासी सुनील जोशी (मीडिएटर) व अनिल कुमार (मीडिएटर), दिल्ली के पालम निवासी अमित (मीडिएटर), गुरुग्राम निवासी ब्रजेश (मीडिएटर) शामिल हैं। आरोपियों से फॉरच्यूनर, इको स्पोर्ट्स, बलेनो और स्विफ्ट कार बरामद की गई हैं। परीक्षा देने के लिए यूपी के संभल निवासी संध्या व मथुरा निवासी शैली, सोनीपत निवासी सुदेश, गुरुग्राम निवासी शर्मिला व पूनम को नोएडा बुलाया गया था। सभी को जवाब रटाए जा रहे थे। सॉल्वर गिरोह के सरगना विनय दहिया की तलाश दिल्ली, हरियाणा व यूपी की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को भी है। हरियाणा में कई परीक्षाओं में गड़बड़ी के आरोप में विनय दहिया, रवि और अंकित कई मामलों में वांछित हैं। सरगना तीन से पांच लाख रुपये अभ्यर्थियों को पेपर रटाने के लिए लेते थे और बाकी सदस्यों को एक-एक लाख रुपये देते थे। आरोपियों के पास से पुलिस को 51 लोगों के प्रवेश पत्र मिले हैं। इससे आशंका है कि दिल्ली-हरियाणा व यूपी समेत अन्य स्थानों पर होने वाली सीटीईटी के लिए भी अभ्यर्थियों को पेपर रटाने की तैयारी थी। गिरफ्तार आरोपियों से एक सूची में परीक्षार्थियों और परीक्षा केंद्रों के नाम की सूची भी मिली है। इसमें संध्या का मुरादाबाद, शैली का मथुरा, नेहा फरीदाबाद, पूजा बदरपुर दिल्ली और कविता, पूनम, मोनिका का परीक्षा केंद्र गुरुग्राम सहित कुल 51 लोगों के नाम और केंद्रों का जिक्र है।

दर्द से दो घंटे तक कराहती रही युवती, नहीं मिला इलाज

नोएडा। सेक्टर-30 स्थित जिला अस्पताल में 18 वर्षीय तरन्नुम दो घंटे तक तेज बुखार और दर्द से कराहती रही, लेकिन किसी ने उसका हाल नहीं पूछा। इस दौरान उसकी हालत ज्यादा नाजुक होती चली गई। परिजन इलाज के लिए डॉक्टरों व कर्मचारियों के सामने गिड़गिड़ाते रहे, लेकिन किसी के कानों में जूं तक नहीं रेंगी। अचानक युवती के बेहोश होने पर लोगों ने उसे ओपीडी में अंदर पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने सिर्फ पर्चा देखकर परिजनों को सफदरजंग अस्पताल ले जाने के लिए कह दिया। हालांकि, बाद में युवती को सरकारी एंबुलेंस से ग्रेनो स्थित जिम्स भेजा गया। हरौला निवासी मोहम्मद खुर्शीद आलम ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह करीब 11 बजे बेटी तरन्नुम को लेकर जिला अस्पताल के आपातकालीन वार्ड पहुंचे थे। जहां से उन्हें ओपीडी नंबर 6 में भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि बेटी चल भी नहीं पा रही थी, लेकिन उन्हें व्हील चेयर नहीं मिली। इस पर वह बेटे की मदद से बेटी को ओपीडी तक लेकर पहुंचे। जहां लंबी लाइन में इंतजार पड़ा। बेटी की हालत खराब होने पर उन्होंने चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों से इलाज की गुहार लगाई, लेकिन किसी ने मदद नहीं की। काफी देर बाद वह डॉक्टर के पास पहुंच तो उन्होंने पर्चा देखते ही दिल्ली स्थित सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। दिल्ली में डाक्टरों की हड़ताल होने के कारण परिजनों ने कहीं और रेफर करने की विनती की। तब जाकर बेटी को जिम्स रेफर किया गया। खुर्शीद ने बताया कि रेफर करने के बाद उन्हें एंबुलेंस के लिए भी काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। करीब 42 किमी दूर से एंबुलेंस अस्पताल पहुंची, तब वह बेटी को लेकर जिम्स रवाना हुए। सीएमएस डॉ. सुषमा चंद्रा ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। अस्पताल प्रशासन से इसकी पूरी जानकारी लूंगी। जिससे चूक हुई है, उससे जवाब मांगा जाएगा। मैं खुद इस मामले को देखूंगी। आगे से ऐसा नहीं हो, यह भी सुनिश्चित करूंगी।

केस दर्ज कराने पर दी धमकी, घर के बाहर चलाई 14 गोलियां

ग्रेटर नोएडा। दीवार तोड़ने पर केस दर्ज कराने और एक आरोपी की गिरफ्तारी से नाराज आरोपियों ने मंगलवार देर रात पीड़ित परिवार पर जानलेवा हमले की कोशिश की। खेड़ी गांव में कार और बुलेट पर सवार होकर पहुंचे 10 लोगों ने केस दर्ज कराने वाले ग्रामीण के घर के बाहर जमकर गाली गलौज की। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए 14 गोलियां चलाईं। हालांकि गोली लगने से कोई घायल नहीं हुआ। वहीं पीड़ित ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाकर पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस ने देविंदर, सतवीर और हिमांशु समेत 10 लोगों पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। खेड़ी गांव निवासी देवेंद्र शर्मा ने सूरजपुर कोतवाली पुलिस को शिकायत दी है कि गांव निवासी कुछ लोगों ने पैतृक जमीन पर बनी दीवार तोड़ दी थी। इसकी शिकायत उन्होंने कोतवाली में की थी। पुलिस ने केस दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। मंगलवार रात इससे नाराज आरोपी पक्ष के लोग 10 लोग कार और बाइक सवार होकर पीड़ित पक्ष के घर के पास पहुंच गए। आरोप है कि आरोपियों ने पीड़ितों को निशाना बनाकर 14 गोलियां चलाईं। आरोप है कि हमला करने आए दो आरोपी हिस्ट्रीशीटर हैं।

नोएडा: चार महीने से चल रहा 81 गांवों के किसानों का धरना समाप्त, अधिकांश मांगें मानी गईं

नोएडा। करीब चार महीने से चल रहा किसानों का धरना शुक्रवार को समाप्त हो गया। नोएडा प्राधिकरण द्वारा किसानों की कई मांगें मान ली गई हैं। सिर्फ 10 प्रतिशत भूखण्ड और 64 प्रतिशत मुआवजे की मांग को मंजूरी के लिए शासन को भेजा जाएगा। नोएडा के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह, एसईओ प्रवीण मिश्रा और एडीसीपी रणविजय ने किसानों के बीच पहुंचकर धरना समाप्त कराया। जानकारी के अनुसार, भारतीय किसान परिषद के नेतत्व में 81 गांवों के किसानों ने कई मांगों को लेकर 1 सितंबर से नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ धरना शुरू किया था। शुरूआत में किसानों ने सेक्टर-5 हरौला बारात घर में धरना शुरू किया था। किसानों ने कई दिनों तक लगातार प्राधिकरण तक मार्च निकाला। मांगें पूरी नहीं होने पर 16 नवंबर से किसानों ने सेक्टर-6 स्थित प्राधिकरण के सामने ही धरना शुरू कर दिया। करीब दो सप्ताह से किसानों ने प्राधिकरण के सभी गेट पूरी तरह से बंद करा दिए थे। किसी भी अधिकारी-कर्मचारी को अंदर नहीं घुसने दिया जाता था। आम लोगों को एक महीने से दफ्तर में घुसने दिया गया था।

अब चार महीने बाद नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों और किसानों के बीच हुई बातचीत के बाद मांगों को मान लिया गया। बता दें कि बीते एक सितंबर से नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ चल रहे

किसानों के आंदोलन के समाप्त होने की चर्चा गुरुवार को भी दिनभर चलती रही। आंदोलन खत्म कराने के लिए नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के द्वारा वार्ता के बाद तैयार किए गए एक पत्र पर हस्ताक्षर किए जाने थे। मगर इस पत्र को लेकर किसानों और नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों में विवाद बढ़ गया। इसे लेकर किसानों का कहना था कि वार्ता के अनुसार, इस पत्र में जिन बातों को प्राधिकरण के अधिकारियों को लिखना था, वे इसमें शामिल नहीं की गईं। प्राधिकरण की वादाखिलाफी को स्वीकार नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि किसान बढ़ी हुई दर से मुआवजा देने, आबादी की समस्याओं का निस्तारण करने समेत अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्राधिकरण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शन में महिलाएं व बच्चे भी बड़ी संख्या में शामिल थे। किसानों ने प्रशासन पर अनदेखी का आरोप लगाया था। किसानों का कहना था कि प्राधिकरण में बैठे अधिकारी खुद को कॉरपोरेट कंपनी का अधिकारी मानते हैं तथा उन्हें यह मालूम होना चाहिए कि किसानों की जमीन पर ही उनका दफ्तर बना है। किसानों का कहना था कि जब तक उनकी सारी मांगें पूरी नहीं होंगी तब तक यह प्रदर्शन जारी रहेगा।

गाजियाबाद: बदमाश के हाथ-पैर बांधकर भीड़ ने खिलाई हरी मिर्च

चाकू सहित पकड़े गए थे दो युवक, लोग बोले- सुधारने का यह देसी नुस्खा है

गाजियाबाद। सोशल मीडिया में 15 सेकंड का एक वीडियो सामने आया है। उसके हाथ बांधकर लोग हरी मिर्च खिला रहे हैं। घटना गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र की है, जहां लोगों ने नशे में चाकू के साथ दो लोगों को पकड़ा था। मगर, वायरल हो रहे वीडियो में एक युवक दिख रहा है, जिसके हाथ भीड़ ने रस्सी से बांध दिए थे। इसके बाद उसको हरी मिर्च खिलाई जा रही थी। लोगों का कहना था कि वह नशे में था और उसका नशा उतारने के लिए उन्होंने ऐसा किया। पुलिस का कहना है कि इस तरह का वीडियो जरूर सामने आया है। मगर, उक्त व्यक्ति को प्रताड़ित करने वाले इस वीडियो में दिखाई नहीं पड़ रहे हैं। वीडियो में यह जरूर दिख रहा है कि उसके इर्द-गिर्द कई

युवक खड़े हुए हैं, जो उसको लगातार उसे हरी मिर्च खिला रहे हैं। एक बार वह हाथ जोड़कर छोड़ने की गुहार लगाता है, तो एक युवक उसको तमाचा मारता है। इस वीडियो की पुष्टि लोनी थाने के प्रभारी अजय चौधरी ने की है। उन्होंने बताया कि यह मामला तीन दिन पुराना है। डीएलएफ कॉलोनी के नजदीक दो युवकों को पब्लिक ने चाकू सहित पकड़ा था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। दोनों युवकों को पुलिस थाने ले गई थी। उनकी पहचान नितिन शर्मा और सोनू के रूप में हुई। वे दिल्ली में करावलनगर के रहने वाले हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस जब मौके पर पहुंची, तब कोई वीडियो नहीं बना रहा था। अब वीडियो वायरल हुआ है, तो इसकी जांच कराई जाएगी। इधर, स्थानीय लोगों ने बताया कि चाकू सहित पकड़ा गया व्यक्ति ज्यादा नशे में था। लोग उसका नाम-पता उगलवाने की कोशिश कर रहे थे। उसका नशा कम करने के लिए देसी नुस्खा आजमाया गया। इसलिए उसको हरी मिर्च खिलाई गई।

नोएडा: ओमिक्रॉन का खतरा, तैयारी आधी-अधूरी

नोएडा। कोरोना के संक्रमण से निपटने के लिए खरीदे गए संसाधन कबाड़ हो चुके हैं। सैनिटाइजेशन टनल साइकिल स्टैंड बन चुके हैं। दूसरी लहर में एंबुलेंस की कमी के बाद भी 5 एंबुलेंस खराब हैं। इनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। गनीमत यह है कि अस्पतालों में लगाए गए वेंटिलेटर अभी ठीक-ठाक स्थिति में हैं। इनको भी मेंटेनेंस की दरकार है। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए नोएडा प्राधिकरण ने 3 सैनिटाइजेशन टनल एक कंपनी से खरीदे थे। इसमें पहला टनल सेक्टर-6 प्रशासनिक खंड के कार्यालय में दूसरा सेक्टर-5 जलखंड के कार्यालय और तीसरा सेक्टर-39 हॉर्टिकल्चर विभाग में लगाया गया है। शुरूआत के कुछ दिनों लोगों ने सैनिटाइजेशन टनल का यूज किया। इसके बाद इनकी वैल्यू कबाड़ से भी ज्यादा गिर गई है। यह अब साइकिल स्टैंड में परिवर्तित हो चुके हैं।

कोरोना की दूसरी लहर में सर्वाधिक समस्या एंबुलेंस की थी। अधिकांश मरीजों ने एंबुलेंस के अभाव में ही दम तोड़ दिया। नोएडा स्वास्थ्य विभाग के पास 32 एंबुलेंस हैं, जिसमें 10 दान में मिली हैं। यह सभी 102 और 108 नंबर की हैं। हालांकि इनमें से 5 एंबुलेंस खराब हैं।

ससुर ने बैंक अधिकारी बहू को भेजे अश्लील वीडियो, पति और सास को बताया तो कराया चुप

गाजियाबाद। बैंक में एक अधिकारी के पद पर काम करने वाली महिला ने कथित तौर पर अपने ससुर पर अश्लील वीडियो भेजने का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। महिला ने बताया कि उनकी शादी मैट्रिमोनियल साइट के जरिए हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही ससुर ने उस पर बुरी नजर रखनी शुरू कर दी थी। ससुर ने कई बार उसे जबर्दस्ती गले लगाने की कोशिश की थी। शुरू में उसने इसको लेकर कोई आवाज नहीं उठाई। हालांकि, सास और पति को जब इसकी जानकारी दी तो उन्होंने भी कोई ध्यान नहीं दिया। सास के साथ पति ने उन्हें चुप रहने की नसीहत दी। जब वह अपने मायके आई तो ससुर ने उसे मोबाइल पर गंदे मैसेज भेजे। जब उसने उन मैसेज का कोई जवाब नहीं दिया तो आरोपी ने और अश्लील वीडियो भेजने शुरू कर दिए। ससुर की इस हरकत से तंग

आकर उसने अपने मायके वालों को सारी बात बताई। इसके बाद मायके वालों की मदद से महिला ने थाने में आरोपी ससुर के खिलाफ शिकायत दी है। महिला का आरोप है कि शिकायत के बाद से ही पति और सास उस पर समझौते का दबाव बना रहे हैं और उसे धमकी दे रहे हैं। थाना अधिकारी का कहना है कि मामले में काउंसलिंग के लिए दोनों पक्षों को बुलाया गया है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अब खुद से बनाएगा सभी एफओबी

बीओटी के लिए कंपनियों के न आने पर सीईओ ने लिया फैसला, टेंडर किए जारी

ग्रेटर नोएडा। प्राधिकरण ने तय किया है कि अब शहर में जहां भी जरूरत होगी वहां एफओबी (फुट ओवर ब्रिज) खुद से बनाएगा। बीओटी के आधार पर एफओबी बनाने में कंपनियों के रुचि न लेने पर प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण ने यह फैसला किया है। सीईओ ने नए एफओबी बनाने के लिए जगह चिंहित करने के निर्देश दे दिए हैं।

प्राधिकरण ने ट्रैफिक कंसलटेंट एजेंसी राइट्स के सर्वे रिपोर्ट के आधार पर तीन जगहों पर फुटओवर ब्रिज बनाने का निर्णय लिया। ये तीनों जगह हैं कलेक्ट्रेट के सामने सूरजपुर-कासना रोड पर, जगत फॉर्म और ईशान इंस्टीट्यूट के पास और कैलाश अस्पताल के सामने। प्राधिकरण इन तीनों फुटओवर ब्रिज को बीओटी (बिल्ट ऑपरेट ट्रांसफर) के आधार पर बनवाना चाह रहा था। इसके लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल भी निकाले गए, लेकिन बीओटी के आधार पर एफओबी बनाने के लिए कंपनियों ने रुचि नहीं दिखाई। इसके बाद प्राधिकरण ने इन तीनों एफओबी को खुद से बनाने का फैसला किया। इनके टेंडर निकाल दिए हैं। इन तीनों एफओबी को बनवाने में करीब 4.70 करोड़ रुपये खर्च होने का आकलन है। इसे बनाने वाली कंपनी के चयन की प्रक्रिया जल्द पूरी कर निर्माण शुरू कराने की तैयारी है। सीईओ ने निर्देश दिए हैं कि जहां भी जरूरत हो वहां पर फुटओवर ब्रिज खुद से बनाएं। उन्होंने नए फुटओवर ब्रिजों के लिए जगह चिंहित करने को कहा है, ताकि लोगों को तेज रफ्तार वाहनों के बीच सड़क को पैदल पार न करना पड़े। सीईओ के निर्देश पर महाप्रबंधक परियोजना एके अरोड़ा ने सभी वर्क सर्किल को कार्यालय आदेश जारी कर शीघ्र सर्वे कर जगह चिंह्नित करने को कहा है। एफओबी की जगह तय कर प्राधिकरण उन्हें खुद से बनाएगा। एके अरोड़ा ने बताया कि सभी एफओबी में दिव्यांगों, गर्भवती महिलाओं व बुजुर्गों को ध्यान में रखते हुए लिफ्ट/स्केलेटर की भी सुविधा रहेगी।

दिल्ली : तलाकशुदा 50 महिलाओं को ठगा

नई दिल्ली। मैट्रिमोनियल साइट पर खुद को एनआरआई बताकर तलाकशुदा महिलाओं को शादी और वीजा दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले मुख्य आरोपी समेत दो को आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी ने तीन शादी कर रखी हैं और उस पर तीन मामले दर्ज हैं। शुरूआती जांच में पता चला है कि वह अब तक करीब पचास से अधिक महिलाओं से ठगी कर चुका है। एयरपोर्ट पुलिस उपायुक्त संजय कुमार त्यागी ने बताया कि आरोपियों की पहचान कपूरथला पंजाब निवासी पुरुषोत्तम शर्मा उर्फ पंकज शर्मा और रोहिणी सेक्टर 34 निवासी कुलदीप सिंह के रूप में हुई है। पश्चिम विहार निवासी एक महिला ने इस वर्ष सितंबर माह में आईजीआई एयरपोर्ट थाने में ठगी की शिकायत की। उसने बताया कि वह तलाकशुदा है। उसे गुजारा भत्ता के तौर पर 25 लाख रुपये मिले

थे।` मैट्रिमोनियल साइट के जरिए वह पंकज शर्मा के संपर्क में आई। बातचीत के दौरान उसने खुद को एनआरआई बताया और शादी का प्रस्ताव रखा। उसने बताया कि उसका कार्यालय चंडीगढ़, अंबाला और करनाल में है। वह कई लोगों को विदेश भेज चुका है। उसने शिकायतकर्ता को कनाडा में उसके लिए शादी करवाने की बात कही। उससे प्रेरित होकर महिला ने कनाडा का वीजा के लिए उसे अपना आईटीआर, फोटो, बैंक स्टेटमेंट और पासपोर्ट सौंप दिया। पासपोर्ट लेने के बाद आरोपी किसी न किसी बहाने से उससे पैसे की मांग करने लगा। अक्तूबर 2020 में बैंक के जरिये और मुलाकात के दौरान महिला ने आरोपी को नकद का भुगतान किया। पुलिस महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी जांच के बाद पुलिस ने 21 दिसंबर को पंकज शर्मा को अमृतसर पंजाब से गिरफ्तार कर लिया। उसके निशानदेही पर पुलिस ने 26 दिसंबर को कुलदीप को रोहिणी से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ठगी के लिए मैट्रिमोनियल साइट पर तलाकशुदा महिला को खोजता था। खुद को एनआरआई बताकर वह शादी का झांसा देकर उनसे बातचीत शुरू करता था। फिर उन्हें वीजा दिलाने के नाम पर ठगी करता था। सहयोगी कुलदीप की मदद से शिकायतकर्ता के लिए वीजा स्टीकर का इंतजाम करता था। कुलदीप ने बताया कि वह अपने एक साथी के माध्यम से पासपोर्ट पर कनाडा का वीजा चस्पा दिया था। पहले आरोपी कनाडा दूतावास से वीजा दिलाने का आश्वासन देता था लेकिन बाद में वह कोविड के कारण प्रतिबंध के चलते इंडोनेशियाई दूतावास से वीजा स्वीकृत करवाने की बात कहता था। वीजा में देरी होने के बारे में पूछने पर वह कोविड का बहाना बना देता था। बाद में आरोपी साथी के साथ मिलकर पैसे हड़पने के लिए उसके पासपोर्ट पर लगने वाले नकली वीजा की व्यवस्था करता था।

लक्ष्य तंवर का साथी लोन घोटाले में गिरफ्तार

गाजियाबाद। 400 करोड़ रुपये के लोन घोटाले में मुख्य आरोपी के लक्ष्य तंवर के एक और साथी तुषार गोयल को पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया। वह फर्जी दस्तावेज तैयार कराकर प्रॉपट्री से अधिक कीमत का लोन दिलाने का काम करता था।

तुषार के खिलाफ अभी एक मामला सामने आया है। उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज है। तुषार गोयल ने 2020 में तुराबनगर की रहने वाली महिला महेंद्री देवी के मकान फर्जी बैनामा तैयार कराया और मकान किसी और को बेच दिया था। इसमें उसने किसी और महिला को लाकर महेंद्री देवी के रूप में पेश किया था। मकान पर ढाई करोड़ का लोन कराया गया था। असल में प्रॉपट्री की कीमत करीब 60 लाख रुपये है। महेंद्री देवी के बेटे संजय अग्रवाल ने बताया कि उनकी मां चलने में असमर्थ हैं। सितंबर 2020 में कुछ बैंककर्मी उनके घर की फोटो खींचकर ले गए थे। उन्होंने बताया कि जानकारी की तो पता चला आरोपियों ने फरवरी 2019 में उनका मकान किसी अन्य महिला के नाम करा दिया है। प्रॉपट्री में उनके मकान को चार मंजिल दिखाया गया था। संजय अग्रवाल ने इसकी जानकारी होने पर अगस्त में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। कोतवाली थाना प्रभारी अमित कुमार खारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी लोन घोटाले मामले में वांछित था। जो लक्ष्य तंवर का साथी है। इस घोटाले में तुषार समेत 13 लोगों के नाम थे।

जिसमें से पुलिस लक्ष्य, रामनाथ मिश्रा, लोन मैनेजर प्रियदर्शनी समेत 6 को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। अन्य आरोपितों की तलाश में उनके ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा।

मल्लिका शेरावत

ने कटे-फटे कपड़े पहन अपनाया हॉलीवुड स्टाइल लोगों ने कर दिया ट्रोल!

बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत (Mallika Sherawat) भले फिल्मी दुनिया से दूर हो गई हो, लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वो अक्सर अपनी बोल्ड तस्वीरें फैंस के साथ साझा करती रहती हैं. जिस पर उनके फैंस खूब प्यार लूटाते हैं. इस बीच हाल ही में एक्ट्रेस ने एक लेटेस्ट तस्वीर शेयर की है. जिसमें उनका बोल्ड अंदाज़ देखने लायक है. एक्ट्रेस (Mallika Sherawat) की इस तस्वीर पर उन्हें मिलेजुले रिएक्शन मिल रहे हैं. जहां कुछ लोगों ने उनकी तारीफ की है. वहीं कई लोगों ने उन्हें इस फोटोशूट को लेकर ट्रोल भी कर दिया है.

मल्लिका (Mallika Sherawat) ने ये लेटेस्ट तस्वीर अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर की है. जिसमें वो गोल्डन कलर की फ्रिल वाली शॉर्ट ड्रेस पहने नज़र आ रही हैं. इस दौरान उन्होंने ईज़ी-ब्रिज़ी लुक लिया हुआ है, जिसके साथ उन्होंने न्यूड मेकअप स्टाइल किया हुआ है. एक्ट्रेस यहां घुटने मोड़कर पोज़ देती दिखाई दे रही हैं. उनका लुक देख कोई भी घायल हो सकता है. मल्लिका ने इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, लुक ऑफ द डे.

एक्ट्रेस (Mallika Sherawat) का ये लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है. ऐसे में वे ढेर सारे इमोजी शेयर कर रिएक्शन दे रहे हैं. वहीं कुछ यूज़र्स का कहना है ये बिल्कुल हॉलीवुड स्टाइल की तरह लग रहा है. इसके अलावा कई अन्य लोगों ने उनकी तस्वीर पर ब्यूटीफुल, बोल्ड, गॉर्जिअस जैसे कमेंट्स किए हैं.

गौरतलब है कि एक्ट्रेस काफी समय से ग्लैमर की दुनिया से दूर हैं. ऐसे में वो नए साल में इंडस्ट्री में कमबैक करने जा रही हैं. दर्शक मल्लिका (Mallika Sherawat) को फिल्म पुलिस टाइगर, ज़ीनत, पंबाटम और कॉन्ट्रैक्ट में देख सकते हैं. फैंस को एक्ट्रेस की इन फिल्मों का बेसब्री से इंतज़ार है, क्योंकि इस तरह वो एक बार फिर अपनी स्टार को पर्दे पर परफॉर्म करते देख सकेंगे.

उर्फी जावेद

को पड़े राशन खरीदने के लाले, वीडियो के जरिए मांग रही हैं आटा

एक्ट्रेस rfi Javed अपने बोल्ड लुक्स और बिंदास अंदाज से जानी जाती हैं. उर्फी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उर्फी जावेद की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है. वो फैंस के साथ अक्सर अपनी खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं. वहीं, कई बार अपने अतरंगी फैशन की वजह से उर्फी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय भी बनती हैं. जहां कुछ लोग उर्फी की फैशन सेंस को पसंद करते हैं तो वहीं कई बार अपने ऊल-जुलूल फैशन के चलते वो ट्रोलर्स के निशाने पर भी आ जाती हैं. अब हाल ही में उर्फी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है इस वीडियो में उर्फी बेहद परेशान नजर आ रही हैं.

दरअसल, उर्फी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं. वीडियो में उर्फी घर के राशन को लेकर चिंता जता रही हैं. ये वीडियो एक मज़ेदार रील है. इस रील में देखा जा सकता है कि उर्फी एक डायलॉग पर लिप्सिंग करती हुई कहती हैं, मैं कल की चिंता नहीं करता, उतनी सेविंग है मेरे पास. मेरी तो परसों को लेकर फटी पड़ी है. तब घर में आटा कैसे आएगा.

अब उर्फी जावेद के इस वीडियो को लोग काफी पसंद कर रहे हैं. फैंस जमकर एक्ट्रेस के एक्सप्रेशन और टाइमिंग की तारीफ कर रहे हैं. उर्फी इस वीडियो में काफी खूबसूरत लग रही हैं.

वहीं, हर कोई नए साल के स्वागत की तैयारियों में जुटा हुआ है लेकिन उर्फी को नया साल अकेले ही सेलिब्रेट करना होगा. उन्होंने एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, मैं काफी बीमार हूं. नया साल शायद मुझे बिस्तर में ही बिताना पड़े. वैसे भी, मैं कुछ ऐसा ही चाहती थी.

जब करीना कपूर करेंगी ऐसी न्यू इयर पार्टी तो हैरानी तो होना संभव है

पुराना साल जा रहा है और नया साल आ रहा है. लोग पुराने साल की बुरी यादों को भूल अच्छी यादों को लेकर आगे बढ़ रहे हैं. हर कोई नए साल का स्वागत अपने अंदाज में करने के लिए तैयार है. वहीं बॉलीवुड स्टार्स भी नए साल का स्वागत अपने परिवार संग करने के लिए तैयार हैं. कोई देश में रहकर करेगा वहीं कोई देश से बाहर लेकिन सभी में उत्साह काफी ज्यादा है. लोग खुशी में ये तक डिसाइड नहीं कर पा रहे हैं. न्यू इयर प्लान कैसे बनाया जाए. बॉलीवुड की बेबो (Kareena Kapoor) अपने नए साल का स्वागत मुंबई में ही रहकर करेंगी हैं.

बेबो न्यू इयर पार्टी प्लानिंग

आपको बता दें, बेबो (Bebo) पूरी प्लानिंग भी कर चुकी हैं कि वो नया साल कैसे मनाएंगीं और किन-किन लोगों के साथ. इस बार करीना कपूर (Kareena Kapoor) ने ये डिसाइड किया है कि वो परिवार और अपने कुछ स्पेशल लोगों के संग नए साल का स्वागत करेंगी. इसके साथ ही उन्होंने तय कर लिया है कि घर पर ही वो डिनर ऑर्गेनाइज करेंगी. इस डिनर में करीना कपूर (Kareena Kapoor), और उनके पति सैफ अली खान (Saif Ali Khan) बच्चें तैमूर (Taimur) और जेह (Jeh) ननंद सोहा अली खान (Soha Ali Khan), उनके पति कुणाल खेमू (Kunal Khemu) ,बेटी इनाया के साथ- साथ करीना के खास दोस्त मौजूद रहेंगे.

बता दें, हाल ही में करीना कोरोना से ठीक होते ही फिर से पार्टी एंजॉय करती नजर आई थीं. बहन करिश्मा कपूर (Karisma Kapoor) के घर डिनर डेट पर बेबो का बिंदास अंदाज फैंस को खूब पसंद आया था. लेकिन इस वक्त मुंबई में कोरोना का साया मंडरा रहा है. कई सेलेब्स पहले ही इसकी चपेट में आ चुके हैं. खुद करीना कपूर (Kareena Kapoor) भी हाल ही में कोविड पॉजीटिव पाई गई थीं. इसी को देखते हुए केवल खास लोगों के साथ बेबो न्यू ईयर सेलिब्रेशन करेंगीं. वहीं करीना कपूर इन दिनों घर पर सैफ अली खान और बेटों के साथ खूब एंजॉय कर रही हैं.

कोरोना पॉजिटिव हुई नोरा फतेही

अभिनेत्री-डांसर नोरा फतेही ने कोविड के लिए पॉजिटिव टेस्ट किया है और वर्तमान में वो डॉक्टर की निगरानी में क्वारंटीन हैं।

नोरा के प्रवक्ता ने कहा कि नोरा फतेही की ओर से, उनके प्रवक्ता के रूप में, वो यह बताना चाहेंगे कि नोरा फतेही ने 28 दिसंबर को कोविड के लिए पॉजिटिव टेस्ट किया था।

प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, नोरा तब से डॉक्टर की निगरानी में है और सुरक्षा और नियमों के लिए बीएमसी के साथ सहयोग कर रही है।प्रवक्ता ने पुष्टि करते हुए कहा कि उनकी पोस्ट की गई फोटोज पुरानी है। हाल में नोरा कहीं नहीं गई है।

डिस्क्लेमर: यह आईएएनएस न्यूज फीड से सीधे पब्लिश हुई खबर है. इसके साथ न्यूज नेशन टीम ने किसी तरह की कोई एडिटिंग नहीं की है. ऐसे में संबंधित खबर को लेकर कोई भी जिम्मेदारी न्यूज एजेंसी की ही होगी.

नव उत्साह और नवजीवन का संदेश देता नववर्ष

लीजिये, हंसता और मुस्कुराता, खिलखिलाकर नव उल्लास बिखराता, निराशा को भगाता और आशा को बटोरता नया वर्ष फिर से आ गया। चारों ओर देखिये, पेड़ नये पत्तों और कलियों के आगमन से कैसे झूम रहे हैं। पेड़-पौधे मुक्तहस्त होकर सुगंध बांट रहे हैं। भला कौन वह मूर्ख होगा, जो परिवार में आ रहे नये सदस्यों को देख खुश न हो। पशु हो या पक्षी, मानव हो या वनस्पति; सब पुराने के जाने पर दुखी होते हैं; पर वह दुख नवआगत के स्वागत के कारण धूमिल भी हो जाता है। यही सृष्टि का नियम है, इसलिए आज सब खुश है। आखिर क्यों न हों, नया साल जो आया है।

नववर्ष यानी वर्ष का पहला दिन 1 जनवरी को मनाया जाता है। इस दिन के साथ दुनिया के ज्यादातर लोग अपने नए साल की शुरुआत करते हैं। नए का आत्मबोध हमारे अंदर नया उत्साह भरता है और नए तरीके से जीवन जीने का संदेश देता है। हालांकि ये उल्लास, ये उत्साह दुनिया के अलग-अलग कोने में अलग-अलग दिन मनाया जाता है क्योंकि दुनिया भर में कई कैलेंडर हैं और हर कैलेंडर का नया साल अलग-अलग होता है। एक अनुमान के अनुसार अकेले भारत में ही क़रीब 50 कैलेंडर (पंचांग) हैं और इनमें से कई का नया साल अलग दिनों पर होता है।

1 जनवरी को मनाया जाने वाला नववर्ष दरअसल ग्रेगोरियन कैलेंडर पर आधारित है। इसकी शुरुआत रोमन कैलेंडर से हुई है। पारंपरिक रोमन कैलेंडर का नववर्ष 1 मार्च से शुरू होता है। प्रसिद्ध रोमन सम्राट जूलियस सीज़र ने 47 ईसा पूर्व में इस कैलेंडर में परिवर्तन किया और इसमें जुलाई माह जोड़ा। इसके बाद उसके भतीजे के नाम के आधार पर इसमें अगस्त माह जोड़ा गया। दुनिया भर में आज जो कैलेंडर प्रचलित है, उसे पोप ग्रेगोरी अष्टम ने 1582 में तैयार किया था। ग्रेगोरी ने इसमें लीप ईयर का प्रावधान किया था। ईसाइयों का एक अन्य पंथ ईस्टर्न आर्थोडॉक्स चर्च तथा इसके अनुयायी ग्रेगोरियन कैलेंडर को मान्यता न देकर पारंपरिक रोमन कैलेंडर को ही मानते हैं। इस कैलेंडर के अनुसार नया साल 14 जनवरी को मनाया जाता है। इस कैलेंडर की मान्यता के अनुसार जॉर्जिया, रूस, यरूशलम, सर्बिया आदि में 14 जनवरी को नववर्ष मनाया जाता है।

भारत में नववर्ष

भारत कैलैंडरों के मामले में कम समृद्ध नहीं है। इस समय देश में विक्रम संवत, शक संवत, हिजरी संवत, फसली संवत, बांग्ला संवत, बौद्ध संवत, जैन संवत, खालसा संवत, तमिल संवत, मलयालम संवत, तेलुगु संवत आदि अनेक प्रचलित हैं। इनमें से हर एक के अपने अलग-अलग नववर्ष होते हैं। देश में सर्वाधिक प्रचलित संवत विक्रम और शक संवत है। माना जाता है कि विक्रम संवत गुप्त सम्राट विक्रमादित्य ने उज्जयनी में शकों को पराजित करने की याद में शुरू किया था। यह संवत 58 ईसा पूर्व शुरू हुआ था। विक्रम संवत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होता है।

नववर्ष की शुभकामनाएँ

इसी समय चैत्र नवरात्र प्रारंभ होता है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन उत्तर भारत के अलावा गुड़ी पड़वा और उगादी के रूप में भारत के विभिन्न हिस्सों में नव वर्ष मनाया जाता है। सिंधी लोग इसी दिन चेटी चंद्र के रूप में नववर्ष मनाते हैं। शक सवंत को शालीवाहन शक संवत के रूप में भी जाना जाता है। माना जाता है कि इसे शक सम्राट कनिष्क ने 78 ई. में शुरू किया था। स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने इसी शक संवत में मामूली फेरबदल करते हुए इसे राष्ट्रीय संवत के रूप में अपना लिया। राष्ट्रीय संवत का नव वर्ष 22 मार्च को होता है जबकि लीप ईयर में यह 21 मार्च होता है। चैत्र शुक्ला प्रतिपदा को विक्रमीय संवत की दृष्टि से नववर्ष मनाया जाता है। ब्रज में इस दिन नीम की पती और मिश्री खाने की परम्परा है ।

इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार

इस्लाम धर्म के कैलेंडर को हिजरी साल के नाम से जाना जाता है। इसका नववर्ष मोहर्रम माह के पहले दिन होता है। हिजरी कैलेंडर कर्बला की लड़ाई के पहले ही निर्धारित कर लिया गया था। मोहर्रम के दसवें दिन को आशूरा के रूप में जाना जाता है। इसी दिन पैगम्बर मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन बगदाद के निकट कर्बला में शहीद हुए थे। हिजरी कैलेंडर के बारे में एक दिलचस्प बात यह है कि इसमें चंद्रमा की घटती - बढ़ती चाल के अनुसार दिनों का संयोजन नहीं किया गया है। लिहाजा इसके महीने हर साल क़रीब 10 दिन पीछे खिसकते रहते हैं।

अन्य देशों में नववर्ष

यदि भारत के पड़ोसी देश और देश की पुरानी सभ्यताओं में से एक चीन में भी अपना एक अलग कैलेंडर है। तकरीबन सभी पुरानी सभ्यताओं के अनुसार चीन का कैलेंडर भी चंद्रमा गणना पर आधारित है। इसका नया साल 21 जनवरी से 21 फरवरी के बीच पड़ता है। चीनी वर्ष के नाम 12 जानवरों के नाम पर रखे गए हैं। चीनी ज्योतिष में लोगों की राशियाँ भी 12 जानवरों के नाम पर होती हैं। लिहाजा यदि किसी की बंदर राशि है और नया वर्ष भी बंदर आ रहा हो तो वह साल उस व्यक्ति के लिए विशेष तौर पर भाग्यशाली माना जाता है। 1 जनवरी को अब नये साल के जश्न के रुप में मनाया जाता है। एक-दूसरे की देखा-देखी यह जश्न मनाने वाले शायद ही जानते हों कि दुनिया भर में पूरे 70 नववर्ष मनाए जाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि आज भी पूरी दुनिया कैलेण्डर प्रणाली पर एकमत नहीं हैं। इक्कीसवीं शताब्दी के वैज्ञानिक युग में इंसान अन्तरिक्ष में जा पहुँचा है, मगर कहीं सूर्य पर आधारित, कहीं चन्द्रमा पर आधारित तो कहीं सूर्य, चन्द्रमा और तारों की चाल पर धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दुनिया में विभिन्न कैलेण्डर प्रणालियाँ लागू हैं। यही वजह है कि अकेले भारत में पूरे साल तीस अलग-अलग नव वर्ष मनाए जाते हैं। दुनिया में सर्वाधिक प्रचलित कैलेण्डर 'ग्रेगोरियन कैलेण्डर' है। जिसे पोप ग्रेगरी तेरह ने 24 फरवरी, 1582 को लागू किया था। यह कैलेण्डर 15 अक्तूबर, 1582 में शुरू हुआ। इसमें अनेक त्रुटियाँ होने के बावजूद भी कई प्राचीन कैलेण्डरों को दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आज भी मान्यता मिली हुई हैं।

अनेकता में एकता का नववर्ष

हमारा देश अनेकता में एकता की परंपरा को सहेज रहा है। यहां हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, जैन, पारसी के साथ अनेक धर्म और समुदायों के लोग अपनी-अपनी संस्कृति को निभाते हुए नया साल मनाते हैं। इन सबके अपने अलग-अलग त्योहार और रीति-रिवाज हैं। जिस प्रकार सभी समुदायों के कुछ विशेष पर्व हैं जिन्हें सभी एक साथ मिलकर मनाते हैं। उसी प्रकार प्रत्येक समुदाय के नए वर्ष भी अलग-अलग हैं और सभी एक-दूसरे के पर्वों का सम्मान करते हैं। अन्य पर्वों की तरह हर समुदाय के नववर्ष भी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं। आइए जानते हैं उनके बारे में।

चैत्र प्रतिपदा

हिन्दू नववर्ष का प्रारंभ हिन्दी पंचांग के अनुसार चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होता है। इसी दिन से वासंतेय नवरात्र का भी प्रारंभ होता है। हिन्दू नववर्ष का पंचांग विक्रम संवत से माना जाता है। एक साल में बारह महीने और सात दिन का सप्ताह विक्रम संवत से ही प्रारंभ हुआ है।

हिजरी सन

मुस्लिम समुदाय में नया वर्ष मोहर्रम की पहली तारीख से मनाया जाता है। मुस्लिम पंचांग की गणना चांद के अनुसार होती है। हिजरी सन के नाम से जाना जाने वाला मुस्लिम नववर्ष अभी-अभी शुरू हुआ है।

ओणम

मलयाली समाज में नया वर्ष ओणम से मनाया जाता है। इस दिन प्रतिवर्ष विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन किए जाते हैं। ओणम मलयाली माह छिंगम यानी अगस्त और सितंबर के मध्य मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन राजा बली अपनी प्रजा से मिलने धरती पर आते हैं। राजा बली के स्वागत के लिए घरों में फूलों की रंगोली सजाई जाती है और स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं।

सूर्य देव को अर्पित होता है प्रसाद

तमिल नववर्ष पोंगल से प्रारंभ होता है। पोंगल से ही तमिल माह की पहली तारीख मानी गई है। पोंगल प्रतिवर्ष 14-15 जनवरी को मनाया जाने वाला बड़ा त्योहार है। पोंगल में सूर्य देव को जो प्रसाद अर्पित किया जाता है उसे पोंगल कहते हैं। चार दिनों का यह त्योहार भी नई फसल आने की खुशी में मनाया जाता है।

महाराष्ट्रीयन समाज का नववर्ष

महाराष्ट्रीयन परिवारों में चैत्र माह की प्रतिपदा को ही नववर्ष की शुरुआत होना माना जाता है। इस दिन बांस में नई साड़ी पहनाकर उस पर तांबे या पीतल के लोटे को रखकर गुड़ी बनाई जाती है और उसकी पूजा की जाती है। गुड़ी को घरों के बाहर लगाया जाता है और सुख संपन्नता की कामना की जाती है।

नववर्ष बैसाखी

गीत-संगीत की अनोखी परंपरा और खुशदिल लोगों से सजी है पंजाबियों की संस्कृति। पंजाबी समुदाय अपना नववर्ष बैसाखी में मनाते हैं। यह त्योहार नई फसल आने की खुशी में मनाया जाता है। बैसाखी के अवसर पर नए कपड़े पहने जाने के साथ ही भांगड़ा और गिद्दा करके खुशियां मनाई जाती हैं। बैसाखी प्रतिवर्ष 13-14 अप्रैल को मनाई जाती है।

नवरोज का प्रारंभ

पारसियों द्वारा मनाए जाने वाले नववर्ष नवरोज का प्रारंभ तीन हजार साल पहले हुआ। ऐसा माना जाता है कि इसी दिन फारस के राजा जमजेद ने सिंहासन ग्रहण किया था। उसी दिन से इसे नवरोज कहा जाने लगा। राजा जमशेद ने ही पारसी कैलेंडर की स्थापना की थी। नवरोज को जमशेदी नवरोज भी कहा जाता है। यह 19 अगस्त को मनाया जाता है।

दीपावली है नया साल

जैन समुदाय का नया साल दीपावली के दिन से माना जाता है। इसे वीर निर्वाण संवत कहा जाता है।

परीवा से नया साल

सभी समुदायों की तरह गुजराती बंधुओं का नववर्ष भी दीपावली के दूसरे दिन पड़ने वाली परीवा के दिन खुशी के साथ मनाया जाता है। गुजराती पंचांग भी विक्रम संवत पर आधारित है। इस दिन तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं और एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दी जाती हैं।

बंगाली समुदाय का नया वर्ष

अपनी विशेष संस्कृति से जाने-पहचाने जाने वाले बंग समुदाय का नया वर्ष बैसाख की पहली तिथि को मनाया जाता है। यह पर्व नई फसल की कटाई और नया बही-खाता प्रारंभ करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। एक ओर व्यापारी लोग जहां नया बही-खाता बंगाली में कहें तो हाल-खाता करते हैं तो दूसरी तरफ अन्य लोग नई फसल के आने की खुशियां मनाते हैं। इस दिन कई सांस्कृतिक आयोजन होते हैं और मिठाइयां बांटी जाती हैं।

सभी कहते हैं नया वर्ष मुबारक हो

सभी समुदायों के साथ ही एक ऐसा नया साल है जिसे सभी वर्गों, समुदायों द्वारा मान लिया गया है। वह है अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार मनाया जाने वाला नया साल। जिसकी शुरुआत जनवरी में होती है। जनवरी में नए वर्ष का प्रारंभ हो गया है। आजकल इसी पंचांग को सर्वमान्य रूप से नए वर्ष की शुरुआत मान लिया गया है। सारे सरकारी कार्य और लेखा-जोखा इसी के अनुसार संचालित किए जाते हैं।

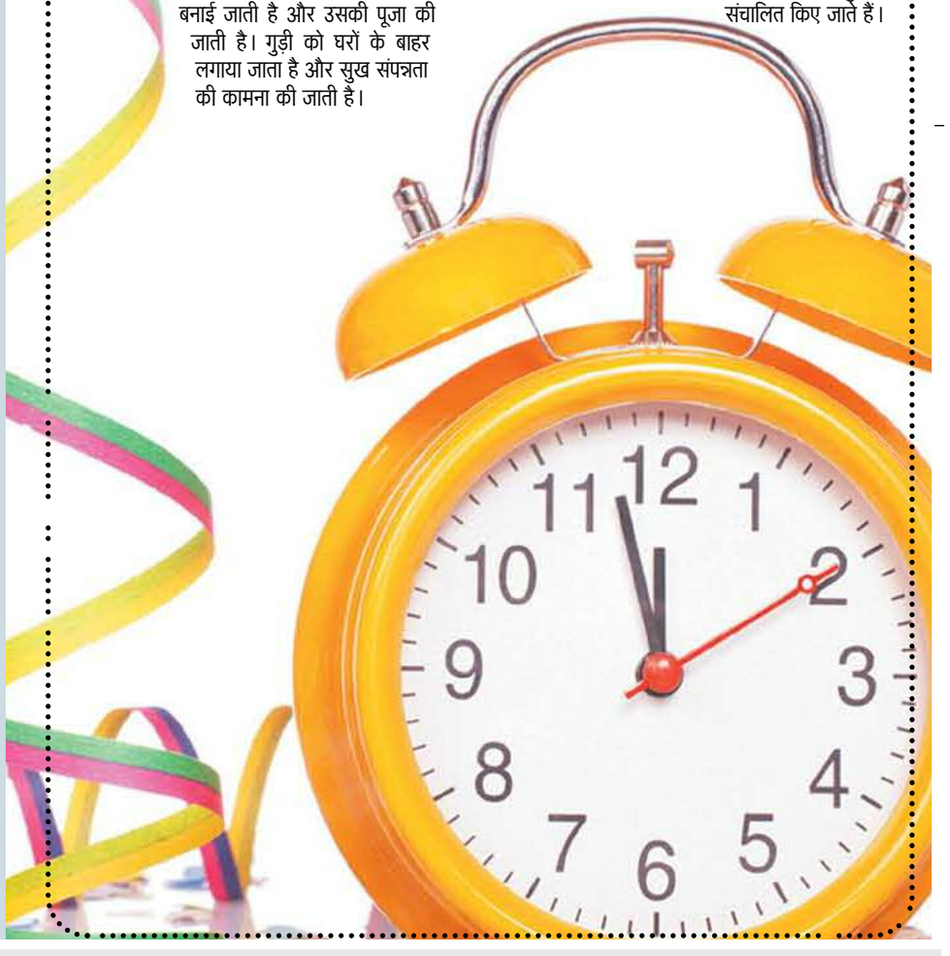

नये साल के लिए एक जनवरी ही क्यों!

एक जनवरी के नजदीक आते ही जगह-जगह हैप्पी न्यू ईयर के बैनर व होर्डिंग लगने लगते हैं। जश्न मनाने की तैयारियां प्रारम्भ हो जाती हैं। होटल, रेस्तरॉं, व पव इत्यादि अपने-अपने ढंग से इसके आगमन की तैयारियां करने लगते हैं। पोस्टर व कार्डों की भरमार के साथ दारू की दुकानों की भी चांदी कटने लगती है। कहीं कहीं तो जाम से जाम इतने टकराते हैं कि घटनाऐं दुर्घटनाओं में बदल जाती हैं और मनुष्य- मनुष्यों से तथा गाड़ियां गाडियों से भिडने लगते हैं। रात-रात भर जाग कर नया साल मनाने से ऐसा प्रतीत होता है मानो सारी खुशियां एक साथ आज ही मिल जायेंगी। हम भारतीय भी पश्चिमी अंधानुकरण में इतने सराबोर हो जाते हैं कि उचित अनुचित का बोध त्याग अपनी सभी सांस्क्रतिक मर्यादाओं को तिलांजलि दे बैठते हैं। पता ही नहीं लगता कि कौन अपना है और कौन पराया।

जनवरी से प्रारम्भ होने वाली काल गणना को हम ईस्वी सन् के नाम से जानते हैं जिसका सम्बन्ध ईसाई जगत् व ईसा मसीह से है। इसे रोम के सम्राट जूलियस सीजर द्वारा ईसा के जन्म के तीन वर्ष बाद प्रचलन में लाया गया। भारत में ईस्वी सम्वत् का प्रचलन अग्रेंजी शासकों ने 1752 में किया। अधिकांश राष्ट्रों के ईसाई होने और अग्रेंजों के विश्वव्यापी प्रभुत्व के कारण ही इसे विश्व के अनेक देशों ने अपनाया। 1752 से पहले ईस्वी सन् 25 मार्च से प्रारम्भ होता था किन्तु 18वीं सदी से इसकी शुरूआत एक जनवरी से होने लगी। ईस्वी कलेण्डर के महीनों के नामों में प्रथम छः माह यानि जनवरी से जून रोमन देवताओं (जोनस, मार्स व मया इत्यादि) के नाम पर हैं। जुलाई और अगस्त रोम के सम्राट जूलियस सीजर तथा उनके पौत्र आगस्टस के नाम पर तथा सितम्बर से दिसम्बर तक रोमन संवत् के मासों के आधार पर रखे गये। जुलाई और अगस्त, क्योंकि सम्राटों के नाम पर थे इसलिए, दोनों ही इकत्तीस दिनों के माने गये अन्यथा कोई भी दो मास 31 दिनों या लगातार बराबर दिनों की संख्या वाले नहीं हैं। ईसा से 753 वर्ष पहले रोम नगर की स्थापना के समय रोमन संवत् प्रारम्भ हुआ जिसके मात्र दस माह व 304 दिन होते थे। इसके 53 साल बाद वहां के सम्राट नूमा पाम्पीसियस ने जनवरी और फरवरी दो माह और जोड़कर इसे 355 दिनों का बना दिया। ईसा के जन्म से 46 वर्ष पहले जूलियस सीजन ने इसे 365 दिन का बना दिया। सन् 1582 ई. में पोप ग्रेगरी ने आदेश जारी किया कि इस मास के 04 अक्टूबर को इस वर्ष का 14 अक्टूबर समझा जाये। आखिर क्या आधार है इस काल गणना का? यह तो ग्रहों व नक्षत्रों की स्थिति पर आधारित होनी चाहिए।

जिस प्रकार ईस्वी सम्वत् का सम्बन्ध ईसा जगत से है उसी प्रकार हिजरी सम्वत् का सम्बन्ध मुस्लिम जगत और हजरत मुहम्मद साहब से है। किन्तु विक्रमी सम्वत् का सम्बन्ध किसी भी धर्म से न हो कर सारे विश्व की प्रकृति, खगोल सिद्धांत व ब्रह्माण्ड के ग्रहों व नक्षत्रों से है। इसलिए भारतीय काल गणना पंथ निरपेक्ष होने के साथ सृष्टि की रचना व राष्ट्र की गौरवशाली परम्पराओं को दर्शाती है। इतना ही नहीं, ब्रह्माण्ड के सबसे पुरातन ग्रंथ वेदों में भी इसका वर्णन है। नव संवत् यानि संवत्सरों का वर्णन यजुर्वेद के 27वें व 30वें अध्याय के मंत्र क्रमांक क्रमशः 45 व 15 में विस्तार से दिया गया है। विश्व में सौर मण्डल के ग्रहों व नक्षत्रों की चाल व निरन्तर बदलती उनकी स्थिति पर ही हमारे दिन, महीने, साल और उनके सूक्ष्मतम भाग आधारित होते हैं।

इसी वैज्ञानिक आधार के कारण ही पाश्चात्य देशों के अंधानुकरण के बावजूद, चाहे बच्चे के गर्भाधान की बात हो, जन्म की बात हो, नामकरण की बात हो, गृह प्रवेश या व्यापार प्रारम्भ करने की बात हो, सभी में हम एक कुशल पंडित के पास जाकर शुभ लग्न व मुहूर्त पूछते हैं। और तो और, देश के बडे से बड़े राजनेता भी सत्तासीन होने के लिए सबसे पहले एक अच्छे मुहूर्त का इंतजार करते हैं जो कि विशुद्ध रूप से विक्रमी संवत् के पंचांग पर आधारित होता है। भारतीय मान्यतानुसार कोई भी काम यदि शुभ मुहूर्त में प्रारम्भ किया जाये तो उसकी सफलता में चार चांद लग जाते हैं। वैसे भी भारतीय संस्कृति श्रेष्ठता की उपासक है। जो प्रसंग समाज में हर्ष व उल्लास जगाते हुए एक सही दिशा प्रदान करते हैं उन सभी को हम उत्सव के रूप में मनाते हैं। राष्ट्र के स्वाभिमान व देश प्रेम को जगाने वाले अनेक प्रसंग चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से जुड़े हुए हैं। यह वह दिन है जिस दिन से भारतीय नव वर्ष प्रारम्भ होता है। आईये, इस दिन की महानता के प्रसंगों को देखते हैं -

ऐतिहासिक महत्व

- यह दिन सृष्टि रचना का पहला दिन है। इस दिन से एक अरब 97 करोड़ 39 लाख 49 हजार 109 वर्ष पूर्व इसी दिन के सूर्योदय से ब्रह्मा जी ने जगत की रचना प्रारंभ की।
- विक्रमी संवत का पहला दिन - उसी राजा के नाम पर संवत् प्रारंभ होता था जिसके राज्य में न कोई चोर हो, न अपराधी हो, और न ही कोई भिखारी हो। साथ ही राजा चक्रवर्ती सम्राट भी हो। सम्राट विक्रमादित्य ने 2067 वर्ष पहले इसी दिन राज्य स्थापित किया था।
- प्रभु श्री राम का राज्याभिषेक दिवस - प्रभु राम ने भी इसी दिन को लंका विजय के बाद अयोध्या में राज्याभिषेक के लिये चुना।
- नवरात्र स्थापना - शक्ति और भक्ति के नौ दिन अर्थात्, नवरात्र स्थापना का पहला दिन यही है। प्रभु राम के जन्मदिन रामनवमी से पूर्व नौ दिन उत्सव मनाने का प्रथम दिन।
- गुरू अंगददेव प्रगटोत्सव - सिख परंपरा के द्वितीय गुरू का जन्म दिवस।
- आर्य समाज स्थापना दिवस - समाज को श्रेष्ठ (आर्य) मार्ग पर ले जाने हेतु स्वामी दयानंद सरस्वती ने इसी दिन को आर्य समाज स्थापना दिवस के रूप में चुना।
- संत झूलेलाल जन्म दिवस - सिंध प्रान्त के प्रसिद्ध समाज रक्षक वरूणावतार संत झूलेलाल इसी दिन प्रगट हुए।
- शालिवाहन संवत्सर का प्रारंभ दिवस -विक्रमादित्य की भांति शालिनवाहन ने हूणों को परास्त कर दक्षिण भारत में श्रेष्ठतम राज्य स्थापित करने हेतु यही दिन चुना।
- युगाब्द संवत्सर का प्रथम दिन - 5112 वर्ष पूर्व युधिष्ठिर का राज्यभिषेक भी इसी दिन हुआ।
- डा0 केशव राव बलीराम हैडगेबार जन्म दिवस - राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक थे।

प्राकृतिक महत्व

- वसंत ऋतु का आरंभ वर्ष प्रतिपदा से ही होता है जो उल्लास, उमंग, खुशी तथा चारों तरफ पुष्पों की सुगंधि से भरी होती है।
- फसल पकने का प्रारंभ यानि किसान की मेहनत का फल मिलने का भी यही समय होता है।
- नक्षत्र शुभ स्थिति में होते हैं अर्थात् किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के लिये यह शुभ मुहूर्त होता है।

क्या एक जनवरी के साथ ऐसा एक भी प्रसंग जुड़ा है जिससे राष्ट्र प्रेम जाग सके, स्वाभिमान जाग सके या श्रेष्ठ होने का भाव जाग सके। आइये! विदेशी को फैंक स्वदेशी अपनाऐं और गर्व के साथ भारतीय नव वर्ष यानि विक्रमी संवत् को ही मनायें तथा इसका अधिक से अधिक प्रचार करें।

रिटायरमेंट लेने के बाद इस टीम से जुड़ सकते हैं हरभजन सिंह

एजेंसी, नई दिल्ली। हाल ही में हर तरह के क्रिकेट से संन्यास ले चुके भारतीय आफ स्पिनर हरभजन सिंह का अगला प्लान क्या है, ये अभी तक उजागर नहीं हुआ है। हालांकि,ये बात मालूम हुई है कि वे इंडियन प्रीमियर लीग यानी आइपीएल में एक टीम के साथ जुड़ सकते हैं। इस बार उनकी नई पारी एक खिलाड़ी नहीं, बल्कि एक मेंटर के रूप में होगी। इसका खुलासा जल्द हो जाएगा। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह आइपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स यानी केकेआर के मेंटर बन सकते हैं। फ्रेंचाइजी और हरभजन के बीच इस मसले पर बात चल रही है। हरभजन ने भी संन्यास के बाद इंटरव्यू में संकेत दिए थे कि वह किसी आइपीएल फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ सकते हैं। हरभजन खिलाड़ी के तौर पर चेन्नई सुपर किंग्स, केकेआर और मुंबई इंडियंस का हिस्सा रहे हैं।

गौरतलब है कि लंबे समय तक टीम इंडिया के लिए खेल चुके हरभजन सिंह इस साल भी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेले हैं, लेकिन अब उन्होंने क्रिकेट की दुनिया को एक खिलाड़ी के तौर पर अलविदा कह दिया है। वे मेंटर की भूमिका में नजर आएंगे और इस तरह कोचिंग की दुनिया में कदम रखेंगे। इसके अलावा वे कमेंट्री भी कर चुके हैं और खास बात ये है कि वे हिंदी के अलावा अंग्रेजी में भी कमेंट्री करने में माहिर हो गए हैं। इस तरह उनके पास कई विकल्प हैं। भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में 400 से ज्यादा विकेट चटकाने वाले हरभजन सिंह राजनीति की दुनिया में भी कदम रख सकते हैं। इस बात के संकेत भी उन्होंने दैनिक जागरण को दिए इंटरव्यू में दिए थे। हालांकि, इस पर उन्होंने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा था, लेकिन उन्होंने ये बात जरूर कही थी कि अगर वे राजनीति में आते हैं तो अपनी मांग और इरादों के साथ आएंगे और पंजाब में खेल के क्षेत्र में विकास करना चाहेंगे।

रिषभ पंत ने रचा इतिहास

महेंद्र सिंह धौनी के रिकार्ड को तोड़ बने सबसे तेज भारतीय विकेटकीपर

तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में उन्होंने 100वां टेस्ट शिकार कर पूर्व भारतीय दिग्गज महेंद्र सिंह धौनी को पीछे छोड़ा। मैच के तीसरे दिन साउथ अफ्रीका की पहली पारी में रिषभ ने यह कमाल की उपलब्धि अपने नाम की।

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर रिषभ पंत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज में खास रिकार्ड बनाया है। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में उन्होंने 100वां टेस्ट शिकार कर पूर्व भारतीय दिग्गज महेंद्र सिंह धौनी को पीछे छोड़ा। मैच के तीसरे दिन साउथ अफ्रीका की पहली पारी में रिषभ ने यह कमाल की उपलब्धि अपने नाम की। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया ने पकड़ मजबूत कर ली। पहले दिन केएल राहुल और मयंक अग्रवाल की दमदार शुरुआत के बाद तीसरे दिन भारत की पहली पारी 327 रन पर सिमट गई। दूसरे दिन बारिश की वजह से एक भी ओवर नहीं डाला जा सका था। साउथ अफ्रीका की टीम पहली पारी में भारत की शानदार गेंदबाजी के आगे महज 197 रन ही बना पाई।

भारत ने 130 रन की बढ़त हासिल की। इस दौरान भारतीय विकेटकीपर रिषभ ने चार कैच पकड़े और इतिहास रच दिया। सेंचुरियन में पंत ने विकेट के पीछे चार शिकार किए। उन्होंने चार बल्लेबाजों के कैच को लपका और सबसे तेज 100 शिकार करने के मामले में धौनी के रिकार्ड को तोड़ डाला। 26 टेस्ट मैच खेलने के बाद उन्होंने यह उपलब्धि हासिल कर ऐसा करने वाले सबसे तेज भारतीय बनने का रिकार्ड बनाया। धौनी और रिद्धिमान साहा ने 36 टेस्ट मैच खेलने के बाद 100 शिकार किए थे। किरण मोरे ने ऐसा करने के लिए 39 मैच लिए थे। नयन मोंगिया ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 41 मैच लिया था। टेस्ट क्रिकेट में पंत ने कुल 93 कैच लपके हैं जबकि 8 बल्लेबाजों को स्टंप किया है। इस तरह से उन्होंने टेस्ट में कुल 100 शिकार करने का कमाल कर दिखाया। 90 टेस्ट मैच खेलने वाले धौनी ने करियर में कुल 256 कैच लपके जबकि 38 बल्लेबाजों को स्टंप आउट कर वापस भेजा।

टेस्ट छोड़ने से पहले 2023 एशेज और भारत में श्रृंखला जीतना चाहते हैं वॉर्नर

एजेंसी, मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर टेस्ट क्रिकेट से विदा लेने से पहले इंग्लैंड में 2023 एशेज श्रृंखला जीतना और भारत को उसकी सरजमीं पर हराना चाहते हैं। एशेज श्रृंखला में 12 दिन के भीतर 3 . 0 से बढत बनाने के बाद 35 वर्ष के वॉर्नर ने स्वीकार किया कि उनका काम अभी पूरा नहीं हुआ है। वॉर्नर इस साल टी20 विश्व कप में प्लेयर आफ द टूर्नामेंट रहे थे और आस्ट्रेलिया ने पहली बार खिताब जीता था।

उन्होंन 'ईएसपीएन क्रिकइन्फो' से कहा ,'' हमने अभी भारत को भारत में नहीं हराया है। हम ऐसा करना चाहेंगे। इंग्लैंड में 2019 में श्रृंखला ड्रॉ रही थी लेकिन उम्मीद है कि अगली बार हम जीतेंगे।'' इंग्लैंड में तीन श्रृंखलाओं में 13 और भारत में दो श्रृंखलाओं में आठ टेस्ट खेल चुके वॉर्नर का दोनों देशों में खराब रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने क्रमश: 26 और 24 की औसत से रन बनाये और एक भी शतक नहीं जमा सके। अगली एशेज श्रृंखला तक वह 37 वर्ष के हो जायेंगे लेकिन उम्र उनके लिये महज एक आंकड़ा है। उन्होंने कहा ,'' जेम्स एंडरसन ने उम्रदराज खिलाड़ियों के लिये मानदंड कायम कर दिये हैं। मैं अपनी ओर से रन बनाने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहता। मैं फॉर्म में हूं। नये साल में एक बड़ी पारी का इंतजार है।

अब कैसी है (बीसीसीआई) चीफ सौरव गांगुली की तबियत, अस्पताल ने जारी किया मेडिकल रिपोर्ट

एजेंसी, कोलकाता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली की हालत 'स्थिर' बनी हुई है। गांगुली का जिस अस्पताल में उपचार चल रहा है उसने बुधवार को यह जानकारी दी। कोविड-19 के लिए आरटी-पीसीआर परीक्षण का नतीजा पॉजिटिव आने के बाद गांगुली को एहतियात के तौर पर सोमवार रात शहर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वुडलैंड्स अस्पताल की महनिदेशक और सीईओ डॉ. रूपाली बासु ने कहा, ''अस्पताल में भर्ती होने के दूसरे दिन बीसीसीआई अध्यक्ष और पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली की हृदयगति स्थिर (हायमोडायनामिकली स्टेबल) है, उन्हें बुखार नहीं है और बिना कृत्रिम सहायता के शरीर में आक्सीजन का स्तर 99 प्रतिशत बना हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''रात में उन्होंने अच्छी नींद ली और नाश्ता तथा दोपहर का भोजन किया।'' गांगुली को सोमवार रात 'मोनोकलोनल एंटीबॉडी कॉकटेल थेरेपी' दी गई थी। बयान के अनुसार, ''मेडिकल बोर्ड उनके स्वास्थ्य पर करीबी नजर रखे हुए है।'' गांगुली को इस साल पहले भी दो बार अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका है और उनकी एंजियोप्लास्टी भी हुई थी। इसी साल उनके बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली भी कोविड पॉजिटिव पाए गए थे।

2021 में 'किंग कोहली' की चमक पड़ी फीकी

आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत की झोली रही खाली

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट पर विराट कोहली की पकड़ 2021 में ढीली हुई जब आईसीसी टूर्नामेंटों में खिताब नहीं जीत पाने का टीम इंडिया का सिलसिला जारी रहा हालांकि आस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक टेस्ट श्रृंखला जीतने का श्रेय जरूर इसने हासिल किया। महेंद्र सिंह धोनी ने 2017 में जब सीमित ओवरों की कप्तानी छोड़ी तब विराट कोहली भारतीय क्रिकेट के बेताज बादशाह बन गए। अगले तीन साल तक उन्हें कोई चुनौती नहीं मिली और उनकी तूती ही बोलती रही। बीसीसीआई में मजबूत प्रशासन के अभाव में कोहली ही फै सले लेने लगे और भारतीय टीम के अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए किसी ने ऐतराज भी नहीं जताया हालांकि आईसीसी खिताब जीतने में वे नाकाम रहे। फिर सौरव गांगुली और जय शाह ने 2019 में दुनिया के सबसे शक्तिशाली क्रिकेट बोर्ड की सत्ता की बागडोर संभाली। एक साल तक सब कुछ ठीक ठाक चलता रहा लेकिन 2020 विश्व कप के बाद कोहली ने टी20 टीम की कप्तानी छोड़ने का फै सला किया। उनका वनडे टीम की कप्तानी छोड़ने का कोई इरादा नहीं था लेकिन टूर्नामेंट से भारत की जल्दी रवानगी के बाद यह लगभग तय हो गया था। कोहली से वनडे टीम की कप्तानी छिनी गई जिसके बाद गांगुली और उनके मतभेद उजागर हो गए। दोनों ने एक दूसरे के बयानों का सार्वजनिक तौर पर खंडन किया। सीमित ओवरों की कप्तानी अब रोहित शर्मा को सौंप दी गई। अपने सुनहरे कैरियर में 70 अंतरराष्ट्रीय शतक जमा चुके कोहली को किसी को कुछ साबित नहीं करना है लेकिन दो साल से बतौर बल्लेबाज उनके औसत फॉर्म और बीसीसीआई से मतभेद के बाद अब वह जरूर दिखाना चाहेंगे कि उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज क्यो माना जाता है। टी20 विश्व कप से भारत के जल्दी बाहर होने के साथ ही कोहली और रवि शास्त्री का दौर भी खत्म हो गया। कोहली की अगुवाई वाली टेस्ट टीम की क्षमता पर किसी को संदेह नहीं था लेकिन विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप फाइनल में न्यूजीलैंड के हाथों हार से निराशा हाथ लगी। भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई लेकिन न्यूजीलैंड ने खिताबी मुकाबले में उसे उन्नीस साबित कर दिया। भारत ने इस साल आस्ट्रेलिया में लगातार दूसरी श्रृंखला जीती। यह जीत इसलिये भी अहम थी क्योंकि खिलाड़ियों की चोटों से जूझ रही भारतीय टीम के पास प्रमुख खिलाड़ी भी ब्रिसबेन में निर्णायक मैच में उतारने के लिये नहीं थे। एडीलेड टेस्ट में 36 रन पर सिमटने के बाद भारतीय टीम ने जिस तरह वापसी करके श्रृंखला जीती, यह विजयगाथा क्रिकेट की किवदंतियों में शुमार हो गई। ब्रिसबेन में आस्ट्रेलिया 33 साल बाद कोई टेस्ट हारा। कोहली पहले टेस्ट के बाद अपने बच्चे के जन्म के कारण स्वदेश लौट आये थे। उनकी गैर मौजूदगी में अजिंक्य रहाणे ने मोर्चे से अगुवाई की और भारत की जीत के सूत्रधार रहे। कोहली और टीम विदेश में एक और श्रृंखला जीतने के करीब थे लेकिन कोरोना महामारी के कारण इंग्लैंड में पांचवां और आखिरी टेस्ट रद्द करना पड़ा। भारत श्रृंखला में 2 . 1 से आगे है और आखिरी टेस्ट अगले साल खेला जायेगा। भारत अगर श्रृंखला जीत लेता है तो इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला जीतने वाले कोहली पहले एशियाई कप्तान बन जायेंगे। रोहित और नये कोच राहुल द्रविड़ को टी20 विश्व कप और वनडे विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन के लिये काफ ी मेहनत करनी होगी जो क्रमशरू 2022 और 2023 में होने हैं। पिछले साल की ही तरह इस साल भी कोरोना महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर अस्त व्यस्त रहा। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच वनडे श्रृंखला स्थगित करनी पड़ी। टी20 विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड और इंग्लैंड ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान दौरे से हाथ खींच लिये। पाकिस्तान टी20 विश्व कप के सेमीफ ाइनल तक पहुंचा जहां उसे आस्ट्रेलिया ने हराया। आस्ट्रेलिया ने पहली बार टी20 विश्व कप जीता। वहीं साल के अंत में महज 12 दिन के भीतर आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की एशेज श्रृंखला में 3. 0 की विजयी बढत बना ली।